
कविकुलगुरु - कालिदास - संस्कृत - विश्वविद्यालयः

कविकुलगुरु कालिदास संस्कृत विश्वविद्यालय, रामटेक
हस्तलिखित संग्रह

दाखल क्र M 761 विषय वैदिक

नाव. યજુર્વેદ પદપાઠ. (અધ્યાય ૨૫ - ૨૭) Mss

लेखक/लिपीकार —

पृष्ठ 68 काळ — पूर्ण/अपूर्ण

प त्रावत्सांभुवस्त्वानैवै लेभ्यरक्षिवालप॰ पैन्यानदेतआ
रेक्षिअ पितारादेवनायकु॥ ४॥ नैलाक्षेदेवेल्ला दुक्षेद्रक्षो
त्रिभ्यतथैवच॥ सुखेनसेनदातव्यं पुत्रेभ्यो लालितो मया॥
भग्नपृष्ठिकटिग्रीवा स्तब्धदृष्टिरधोमुखा॥ कष्टेन लिखि
तंग्रंथं यत्नेन प्रतिपालयेत्॥ ॥ ५५५५ ५५ ५५ ५५

श्रीसदाशिवाय नमः॥

१६

श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीसरस्वत्यै नमः ॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ हरिः ॐ ॥ स्वाम°
स्वाद्वीम्। त्वा। स्वादुना। तीव्राम्। तीव्रेण। अमृताम्। अमृतेन। मधुम
तीमिति मधु। मतीम्। मधुमतेति मधुऽमता। सृजामि। सम्। सोमे
न। सोमः। असि। अश्विभ्यामित्यश्विऽभ्याम्। पच्यस्व। सरस्वत्यै।
इन्द्राय। सुत्रामाइति सुऽत्रामा। पच्यस्व ॥१॥ परि। इतः। सिंचत।
सुतम्। सोमः। यः। उत्तमम्। हविः। दधन्वान्। यः। न
र्यः। अप्सु। अन्तः। आ। सुषाव। सुसावेति सुऽसाव। सो
मम्। अद्रिभिरित्यद्रिऽभिः ॥२॥ वायोः। पूतः। पवित्रेण। प्राङ्। सो
मः। अतिद्रुत इत्यतिऽद्रुतः। प्रत्यङ्। सोमः। अतिद्रुत इत्यतिऽद्रुतः।
इन्द्रस्य। युज्यः। सखा ॥३॥ पुनाति। ते। परिस्रुतमिति परि। स्रुतम्।

१ ॥ ॥ १

सोमम्। सूर्यस्य। दुहिता। वारेण। शश्वता। तना ॥४॥ ब्रह्म। क्षत्रम्। पवते।
तेजः। इन्द्रियम्। सुरया। सोमः। सुतः। आसुत इत्याऽसुतः। मदाय।
शुक्रेण। देव। देवताः। पिपृग्धि। रसेन। अन्नम्। यजमानाय। धे
हि। तेजसे। वीर्याय। बलाय। ॥५॥ नाना। हि। वाम्। देवहित
मिति देव। हितम्। सदः। कृतम्। मा। सम्। सृक्षाथाम्। परमे। व्यो
मन्निति विऽओमन्। सुरा। त्वम्। असि। शुष्मिणी। सोमः। एषः।
मा। मा। हिंसीः। स्वाम्। योनिम्। आविशन्ती। विशन्तीत्या। विशन्ती।
आश्विनम्। तेजः। सारस्वतम्। वीर्यम्। ऐन्द्रम्। बलम्। मोदाय। मो
दाय। महसे। ॥७॥ तेजः। असि। तेजः। मयि।
धेहि। वीर्यम्। बलम्। ओजः। मन्युः। मन्युम्। सहः। असि। सहः।

मध्या। वेहि॥९॥ या। व्याघ्रम्। विषूचिका। उभौ। वृकम्। च। रक्षति। श्ये
नम्। पतत्रिणम्। सिंहम्। सा। इमम्। पातु। अंहसः॥१०॥ यत्।
आपिपेष। आपिपेषेत्याऽपिपेष। मातरम्। पुत्रः। प्रमुदित इति प्र। मुदितः।
धयन्। एतत्। तत्। अग्ने। अनृणः। भवामि। अहतौ। पितरौ। म
या॥११॥ देवाः। यज्ञम्। अतन्वत। भेषजम्। भिषजा। अश्वि
ना। वाचा। सरस्वती। भिषक्। इंद्राय। इंद्रियाणि। दधतः॥ दीक्षा
यै। रूपम्। शष्पाणि। प्रायणीयस्य। प्रायणीयस्येति प्रऽअय
नीयस्य। तोक्मानि। क्रयस्य। रूपम्। सोमस्य। लाजाः। सोमांश
वः इति सोमाऽअंशवः। मधु॥१३॥ आतिथ्यरूपमित्याति
थ्य। रूपम्। मासरम्। महावीरस्येति महाऽवीरस्य। नग्नहुः॥ रूप

म्। उपसदामित्युप। सदाम्। एतत्। तिस्रः। रात्रीः। सुरा। आसुतेत्याऽसु
ता॥१४॥ सोमस्य। रूपम्। क्रीतस्य। परिस्रुदिति परि। स्रुत्। परि। सि
च्यते। अश्विभ्यामित्यश्विऽभ्याम्। दुग्धम्। भेषजम्। इंद्राय। ऐंद्र
म्। सरस्वत्या॥१५॥ आसंदीत्याऽसंदी। रूपम्। राजासंद्या इति रा
जऽआसंद्यै। वेद्यै। कुंभी। सुराधानीति सुराऽधानी। अंतरः। उत्त
रवेद्या इत्युत्तरऽवेद्याः। रूपम्। कारोतरः। भिषक्॥१६॥ वेद्या।
वेदिः। समाप्यते। बर्हिषा। बर्हिः। इंद्रियम्। यूपेन। यूपः।
आप्यते। प्रणीतः। प्रणीत इति प्रऽनीतः। अग्निः। अग्निना॥१७॥
हविर्धानमिति हविःऽधानम्। यत्। अश्विना। आग्नीध्रम्। यत्।
सरस्वती। इंद्राय। ऐंद्रम्। सदः। कृतम्। पत्नीशालमिति पत्नीऽ

ज्ञानम्। गार्हपत्य इति गार्हऽपत्यः॥१७॥ प्रैषेभिरिति प्र। एषेभिः। प्रैषा-
निति प्र। एषान्। आप्नोति। आप्रीभिरित्याऽप्रीभिः। आप्रीरित्याऽ-
प्रीः। यज्ञस्य। प्रयाजेभिरिति प्र। याजेभिः। अनुयाजानित्यनु-
याजान्। वषट्कारेभिरिति वषट्कारेभिः। आहुतीरित्याऽहुतीः
॥१८॥ पशुभिरिति पशुऽभिः। पशून्। आप्नोति। पुरोडाशैः। हवीं-
षि। आ। छंदोभिरिति छंदःऽभिः। सामिधेनीरिति साम। इधेनीः।
याज्याभिः। वषट्कारानिति वषट्कारान्॥१९॥ धानाः। करम्भः।
सक्तवः। परीवापः। परिवाप इति परिऽवापः। पयः। दधि। सोमस्य।
रूपम्। हविः। आमिक्षा। वाजिनम्। मधु॥२०॥ धानानाम्।
रूपम्। कुवलम्। परीवापस्य। परिवापस्येति परि। वापस्य। गो-
रूपम्।

॥ सक्तूनाम्। रूपम्। बदरम्। उपवाका इत्युपऽवाकाः। इन्द्रस्य॥२१॥
पयसः। रूपम्। यवाः। यवाः। दध्नः। रूपम्। कर्कन्धूनि। सोमस्य। रूपम्।
वाजिनम्। सौम्य[illegible]स्य। रूपम्। आमिक्षा॥२२॥ आ। आश्रावयेति। स्तो-
त्रियाः। प्रत्याश्राव इति प्रति। आश्रावः। अनुरूप इत्यनु। रूपः। यजे-इ-
ति। धाय्याः। रूपमिति धाय्याः। रूपम्। प्रगाथा इति प्र। गाथाः। ये यजाम-
हा इति येऽयजामहाः॥२३॥ अर्धऋचैरित्यर्धऽऋचैः। उक्थानाम्। रूप-
म्। पदैः। आप्नोति। निविद इति निऽविदः। प्रणवैः। प्रणवैरिति प्र-
नवैः। शस्त्राणाम्। रूपम्। पयसा। सोमः। आप्यते॥२४॥ अश्विभ्या-
मित्यश्विऽभ्याम्। प्रातःसवनमिति प्रातः। सवनम्। इन्द्रेण। ऐन्द्र-
म्। माध्यंदिनम्। वैश्वदेवमिति वैश्वऽदेवम्। सरस्वत्या। तृतीयम्।

आतम्। सवनम्॥२५॥ वायव्यैः। वायव्यानि। आप्नोति। सतेन। द्रो
णकलशमिति द्रोण। कलशम्। कुंभीभ्याम्। अंभृणौ। सुते। स्था
लीभिः। स्थालीः। आप्नोति॥२६॥ यजुर्भिरिति यजुः। भिः। आ
प्यंते। ग्रहाः। ग्रहैः। स्तोमाः। च। विष्टुतीः। विस्तुतीरिति वि। स्तुतीः।
छंदोभिरिति छंदः। भिः। उक्थानुख्यानि। अनुख्यास्तानि। पन्थाः। शस्त्राणि
णि। साम्ना। अवभृथ इत्यवऽभृथः। आप्यते॥२७॥ इडाभिः। भक्षा
न्। आप्नोति। सूक्तवाकेनेति सूक्तऽवाकेन। आशिषम्। इत्याऽशिषम्।
शंयुनेति शं। युना। पत्नीसंयाजानिति पत्नी। संयाजान्। स
मिष्टयजुषेति समिष्ट। यजुषा। संस्थामिति सम्। स्थाम्॥२८॥
व्रतेन। दीक्षाम्। आप्नोति। दीक्षया। आप्नोति। दक्षिणाम्।

दक्षिणा। श्रद्धाम्। आप्नोति। श्रद्धया। सत्यम्। आप्यते॥२९॥ एतावत्
रूपम्। यज्ञस्य। यत्। देवैः। ब्रह्मणा। कृतम्। तत्। एतत्। सर्वम्।
आप्नोति। यज्ञे। सौत्रामणी। सुते॥३०॥ सुतवंतमिति सुत। वंत
म्। बर्हिषदमिति बर्हिऽसदम्। सुवीरमिति सु। वीरम्।
यज्ञम्। हिन्वंति। महिषाः। नमोभिरिति नमः। भिः। दधानाः। सो
मम्। दिवि। देवतासु। मदेम। इंद्रम्। यजमानाः। स्वर्का इति सु
अर्काः॥३१॥ यः। ते। रसः। संभृत इति सम्। भृतः। ओषधीषु। सो
मस्य। शुष्मः। सुरया। सुतस्य। तेन। जिन्व। यजमानम्। मदेन।
सरस्वतीम्। अश्विनौ। इंद्रम्। अग्निम्॥३२॥ यम्। अश्विना। नमु
चेः। आसुरात्। अधि। सरस्वती। असुनोत्। इंद्रियाय। इमम्। तम्।

शुक्रम्। मधुमंतमिति मधुऽमंतम्। इंदुम्। सोमम्। राजानम्। इह। भक्ष-
यामि॥ ३३॥ यत्। अत्र। रिप्तम्। रसिनः। सुतस्य। यत्। इंद्रः। अपि-
बत्। शचीभिः॥ अहम्। तत्। अस्य। मनसा। शिवेन। सोमम्। राजा-
नम्। इह। भक्षयामि॥ ३४॥ पितृभ्य इति पितृऽभ्यः। स्वधायिभ्य
इति स्वधायिऽभ्यः। स्वधा। नमः। पितामहेभ्यः। प्रपितामहेभ्य इ-
ति प्रऽपितामहेभ्यः। स्वधायिभ्य इति स्वधायिऽभ्यः। स्वधा। नमः
॥ अक्षन्। पितरः। अमीमदंत। अतीतृपंत। पितरः। पितरः।
शुंधध्वम्॥ ३५॥ पुनंतु। मा। पितरः। सोम्यासः। पुनंतु। मा। पि-
तामहाः। पुनंतु। प्रपितामहा इति प्रऽपितामहाः। पवित्रेण। श-

तायुषेति शतऽआयुषा। [illegible] पुनंतु। मा। पितामहाः। पुनंतु। प्रपितामहा
इति प्रऽपितामहाः। पवित्रेण। शतायुषेति शतऽआयुषा। विश्वम्। आयुः।
वि। अश्नवै॥ ३६॥ पुनंतु। मा। देवजना इति देवऽजनाः। पुनंतु। मनसा।
धियः। पुनंतु। विश्वा। [illegible] जातवेद इति जातऽवेदः। पुनीहि। मा॥ ३७॥
पवित्रेण। पुनीहि। मा। शुक्रेण। देव। दीद्यत्। अग्ने। क्रत्वा। क्रतून्। अनु॥ ३८॥
यत्। ते। पवित्रम्। अर्चिषि। अग्ने। विततमिति विऽततम्। अंतः। आ। ब्रह्म। तेन।
पुनातु। मा॥ ३९॥ पवमानः। सः। अद्य। नः। पवित्रेण। विचर्षणिरिति
विऽचर्षणिः। यः। पोता। सः। पुनातु। मा॥ ४०॥ उभाभ्याम्। देव। सवि-
तरिति सवितः। पवित्रेण। सवेन। च। माम्। पुनीहि। विश्वतः॥ ४१॥
वैश्वदेवी। पुनती। देवी। आ। अगात्। यस्याम्। इमाः। बह्व्यः। तन्वः।

वीतपृष्ठा इति वीतऽपृष्ठाः। तया। मदन्तः। सधमादेष्विति सधमादेषु। वयम्। स्या
म। पतयः। रयीणाम्॥ ४४॥ ये। समानाः। समनस इति सऽमनसः। पितरः।
यमराज्य इति यमऽराज्ये। तेषाम्। लोकः। स्वधा। नमः। यज्ञः। देवेषु। क
ल्पताम्॥ ४५॥ जीवाः। जीवेषु। मामकाः। तेषाम्। श्रीः। मयि। कल्पताम्। अ
स्मिन्। लोके। शतम्। समाः॥ ४६॥ द्वे इति द्वे। सृती इति सृती। अशृणवम्।
पितॄणाम्। अहम्। देवानाम्। उत। मर्त्यानाम्। ताभ्याम्। इदम्। विश्वम्।
एजत्। सम्। एति। यत्। अन्तरा। पितरम्। मातरम्। च॥ ४७॥ इदम्। हविः। प्र
जननमिति प्रऽजननम्। मे। अस्तु। दशवीरमिति दशऽवीरम्। सर्वग
णमिति सर्वऽगणम्। स्वस्तये। आत्मसनीत्यात्मऽसनि। प्रजासनीति

प्रजाऽसनि। पशुसनीति पशुऽसनि। लोकसनीति लोकऽसनि। अभयस
नीत्यभयऽसनि। अग्निः। प्रजामिति प्रऽजाम्। बहुलाम्। मे। करोतु। अ
न्नम्। पयः। रेतः। अस्मासु। धत्त॥ ४८॥ उत्। ईरताम्। अवरे। उत्।
परासः। उत्। मध्यमाः। पितरः। सोम्यासः। असुम्। ये। ईयुः। अवृकाः।
ऋतज्ञा इत्यृतऽज्ञाः। ते। नः। अवन्तु। पितरः। हवेषु॥ ४९॥ त्वम्। सोम। प्र।
चिकितः। मनीषा। त्वम्। रजिष्ठम्। अनु। नेषि। पन्थाम्। तव। प्रणीती
प्रणीतीति प्रऽनीती। पितरः। नः। इन्दो इतीन्दो। देवेषु। रत्नम्। अभजन्त।
धीराः॥ ५०॥ त्वया। हि। नः। पितरः। सोम। पूर्वे। कर्माणि। चक्रुः। पवमान।
धीराः। वन्वन्। अवातः। परिधीनिति परिऽधीन्। अप। ऊर्णु। वीरेभिः।
अश्वैः। मघवेति मघऽवा। भव। नः॥ ५१॥ त्वम्। सोम। पितृभिरिति

त्पि त्र्याभिः। तं विदत्रानः इति सम्ऽविदत्रानः। अन्तु। द्यावापृथिवी इति द्यावापृथि
वी। आ। ततंथ। पितरः। ते। इं दो इन्ताहे। हविषा। पिधे। मावयम्। स्याम। प
तयः। रयीणाम्॥५५॥ बर्हिषदः। बर्हिसद इति बर्हिऽसदः। पितरः। ऊती।
अर्वाक्। इमा। वः। हव्या। चकृम। जुषध्वम्। ते। आ। गत। अवसा। शंतमेन।
शाम्। तमेन। अथा। नः। शम्। योः। अरपः। दधात॥५६॥ उपहूताः इत्युपऽहूताः।
पितरः। सोम्यासः। बर्हिष्येषु। निधिषु। इति निऽधिषु। प्रियेषु। ते। आ।
गमंतु। ते। इह। श्रुवंतु। अधि। ब्रुवंतु। ते। अवंतु। अस्मान्॥५७॥ आ। अहं
सुपित्रान्। सुविदत्रान्। अविस्ति। न पातम्। च। विक्रमणम्
इति विऽक्रमणम्। च। विष्णोः॥ बर्हिषदः। बर्हिसद इति बर्हिऽसदः। ये। स्व
धया। सुतस्य। भजंत। पित्वः। तो। इह। आगमिष्ठाः इत्याऽगमिष्ठाः॥

अग्निष्वात्ताः। अग्निस्वात्ता इत्यग्निऽस्वात्ताः। पितरः। इह। आ। गच्छत। सदः सदः
इति सदःसदः। सदत। सुप्रणीतयः। सुप्रणीतय इति सुऽप्रनीतयः। अत्त।
हवींषि। प्रयतानीति प्रऽयतानि। बर्हिषि। अथ। रयिम्। सर्ववीरम्
इति सर्वऽवीरम्। दधातन॥५९॥ आयंतु। नः। पितरः। सोम्यासः। अग्निष्वा
त्ताः। अग्निस्वात्ता इत्यग्निऽस्वात्ताः। पथिभिः इति पथिऽभिः। देवयानैः इति
देवऽयानैः। अस्मिन्। यज्ञे। स्वधया। मदंतः। अधि। ब्रुवंतु। ते। अवंतु।
अस्मान्॥५८॥ ये। अग्निष्वात्ताः। अग्निस्वात्ता इत्यग्निऽस्वात्ताः। ये। अन
ग्निष्वात्ताः। अनग्निस्वात्ता इत्यनग्निऽस्वात्ताः। मध्ये। दिवः। स्वधया।
मादयंते। तेभ्यः। स्वराडिति स्वऽराट्। असुनीतिम्। असुनीतिम्। एताम्।
यथावशमिति यथाऽवशम्। तन्वम्। कल्पयाति॥६०॥ अग्निष्वात्तान्

अग्निस्वात्ताऽअग्निऽस्वात्ताः। ऋतुमन्तऽइत्यृतुऽमन्तः। हवामहे। नाराशंसे।
सोमपीथमिति सोमऽपीथम्। ये। आशुः। ते। नः। विप्रासः। सुहवाऽइति सु
हवाः। भवन्तु। वयम्। स्याम। पतयः। रयीणाम्॥५८॥ आच्येत्याऽअच्य। जा
नु। दक्षिणतः। निषद्येति निऽसद्य। इमम्। यज्ञम्। अभि।
गृणीत। विश्वे। मा। हिंसिष्ट। पितरः। केन। चित्। नः। यत्। वः। आगः।
पुरुषता। कराम॥५९॥ आसीनासः। अरुणीनाम्। उपस्थऽइत्युपऽस्थे।
रयिम्। धत्त। दाशुषे। मर्त्याय। पुत्रेभ्यः। पितरः। तस्य। वस्वः। प्र। य
च्छत। ते। इह। ऊर्जम्। दधात॥६०॥ यम्। अग्ने। कव्यवाहनेति कव्य
वाहन। त्वम्। चित्। मन्यसे। रयिम्। तम्। नः। गीर्भिरिति गीःऽभिः।
श्रवाय्यम्। देवत्रेति देवऽत्रा। पनय। युजम्॥६१॥ यः। अग्निः। कव्य
वाहनऽइति कव्यऽवाहनः। पितॄन्। यक्षत्। ऋतावृधः। ऋतवृध

इत्यृतऽवृधः। प्र। इत्। ऊँऽइति। हव्यानि। वोचति। देवेभ्यः। च। पितृभ्यऽइति
पितृऽभ्यः। आ॥६२॥ त्वम्। अग्ने। ईडितः। जातवेदऽइति जातऽवेदः। अ
वाट्। हव्यानि। सुरभीणि। कृत्वी। प्र। अदाः। पितृभ्यऽइति पितृऽभ्यः।
स्वधया। ते। अक्षन्। अद्धि। त्वम्। देव। प्रयतेति प्रऽयता। हवींषि।
॥६३॥ इदम्। पितृभ्यऽइति पितृऽभ्यः। नमः। अस्तु। अद्य। ये। पूर्वासः।
ये। उपरासः। ईयुः। ये। पार्थिवे। रजसि। आ। निषत्ताः। निसत्ता इ
ति निऽसत्ताः। ये। वा। नूनम्। सुवृजनासु। सुवृजनास्विति सुऽवृजनासु। विक्षु।
॥६४॥ ये। च। इह। पितरः। ये। च। न। इह। यान्। च। विद्म।
यान्। ऊँऽइति। न। प्रविद्मेति प्रऽविद्म। त्वम्। वेत्थ। यति। ते। जात
वेदऽइति जातऽवेदः। स्वधाभिः। यज्ञम्। सुकृतमिति सुऽकृतम्।

जुषस्व ॥६८॥ अधा । यथा । नः । पितरः । परासः । प्रत्नासः । अग्ने । ऋ-
तम् । आशुषाणाः । शुचि । इत् । अयन् । दीधितिम् । उक्थशासः । उ-
क्थशास इत्युक्थ-शासः । क्षामा । भिन्दन्तः । अरुणीः । अप । व्रन् ॥६९॥ उश-
न्तः । त्वा । नि । धीमहि । उशन्तः । सम् । इधीमहि । उशन् । उशतः । आ ।
वह । पितॄन् । हविषे । अत्तवे ॥७०॥ अपाम् । फेनेन । नमुचेः । शि-
रः । इन्द्र । उत् । अवर्तयः । विश्वाः । यत् । अजयः । स्पृधः ॥७१॥ सो-
मः । राजा । अमृतम् । सुतः । ऋजीषेण । अजहात् । मृत्युम् । ऋतेन ।
सत्यम् । इन्द्रियम् । विपानमिति वि-पानम् । शुक्रम् । अन्धसः । इ-
न्द्रस्य । इन्द्रियम् । इदम् । पयः । अमृतम् । मधु ॥७२॥ अद्भ्य इत्यत्-
भ्यः । क्षीरम् । वि । अपिबत् । क्रुङ् । आङ्गिरसः । धिया । सोमम् ।

अद्भ्य इत्यत्-भ्यः । वि । अपिबत् । छन्दसा । हंसः । शुचिषत् । शुचिसदि-
ति शुचि-सत् ॥ अन्नात् । परिस्रुत इति परि-स्रुतः । रसम् । ब्रह्मणा । वि ।
अपिबत् । क्षत्रम् । पयः । सोमम् । प्रजापतिरिति प्रजा-पतिः ॥७५॥
रेतः । मूत्रम् । वि । जहाति । योनिम् । प्रविशदिति प्र-विशत् । इन्द्रियम् ।
गर्भः । जरायुणा । आवृत इत्या-वृतः । उल्बम् । जहाति । जन्मना ॥७६॥
दृष्ट्वा । रूपे इति रूपे । वि । आ । अकरोत् । सत्यानृते इति सत्यानृते । प्र-
जापतिरिति प्रजा-पतिः । अश्रद्धाम् । अनृते । अदधात् । श्रद्धाम् । स-
त्ये । प्रजापतिरिति प्रजा-पतिः ॥७७॥ वेदेन । रूपे इति रूपे । वि । अ-
पिबत् । सुतासुतौ । प्रजापतिरिति प्रजा-पतिः । दृष्ट्वा । परिस्रुत इति
परि । स्रुतः । रसम् । शुक्रेण । शुक्रम् । वि । अपिबत् । सुतासुतौ । प्रजा
पयः । सोमम् ।

पतिरिति प्रजाऽपतिः॥७९॥ सीसेन। तन्त्रम्। मनसा। मनीषिणः। ऊ
र्णासूत्रेणेत्यूर्णाऽसूत्रेण। कवयः। वयन्ति। अश्विना। यज्ञम्। सविता।
सरस्वती। इन्द्रस्य। रूपम्। वरुणः। भिषज्यन्॥८०॥ तत्। अस्य। रूपम्।
अमृतम्। शचीभिः। तिस्रः। दधुः। देवताः। संरराणा इति सम्ऽ
रराणाः। लोमानि। शष्पैः। बहुधा। न। तोक्मभिरिति तोक्मऽभिः।
त्वक्। अस्य। मांसम्। अभवत्। न। लाजाः॥८१॥ तत्। अश्विना।
भिषजा। रुद्रवर्तनी इति रुद्रऽवर्तनी। सरस्वती। वयति। पेशः। अन्
तरम्। अस्थि। मज्जानम्। मासरैः। कारोतरेण। दधतः। गवाम्।
त्वचि॥८२॥ सरस्वती। मनसा। पेशलम्। वसु। नासत्याभ्याम्।

॥१०॥

ऽतः॥ प्लाशिः। व्यक्त इति विऽअक्तः। शतधार इति शतऽधारः। उत्सः। दुहे।
न। कुम्भी। स्वधाम्। पितृभ्य इति पितृऽभ्यः॥८७॥ मुखम्। सत्। अस्य।
शिरः। इत्। सतेन। जिह्वा। पवित्रम्। अश्विना। आसन्। सरस्वती॥
चप्यम्। न। पायुः। भिषक्। अस्य। वालः। वस्तिः। न। शेपः। हरसा।
तरस्वी॥८८॥ अश्विभ्यामित्यश्विऽभ्याम्। चक्षुः। अमृतम्। ग्रहा
भ्याम्। छागेन। तेजः। हविषा। शृतेन। पक्ष्माणि। गोधूमैः। कुव
लैः। उतानि। पेशः। न। शुक्लम्। असितम्। वसाते इति वसाते॥८९॥
अविः। न। मेषः। नसि। वीर्याय। प्राणस्य। पन्थाः। अमृतः। ग्रहाभ्या
म्। सरस्वती। उपवाकैरित्युपऽवाकैः। व्यानमिति विऽआनम्। न
स्यानि। बर्हिः। बदरैः। जजान॥९०॥ इन्द्रस्य। रूपम्। ऋषभः।

॥११॥

वयति। दर्शितमस्य वपुः॥ रसम्। परिस्रुतेति परिऽस्रुता। न। रोहितम्। न
ग्नहुः। धीरः। तसरम्। न। वेम॥ ॥ पयसा। शुक्रम्। अमृतम्। जनि
३ अयंता त्रम्। सुरया। मूत्रात्। जनयन्त। रेतः। अप। अमतिम्। दुर्मतिमिति दुः। म
तिम्। बाधमानाः। ऊवध्यम्। वातम्। सब्वम्। तत्। आरात्॥८९॥ इन्द्रः। सुत्रा
मेति सुऽत्रामा। हृदयेन। सत्यम्। पुरोडाशेन। सविता। जजान। यकृत्
क्लोमानम्। वरुणः। भिषज्यन्। मतस्ने इति मतस्ने। वायव्यैः। न। मिना
ति। पित्तम्॥९०॥ आन्त्राणि। स्थालीः। मधु। पिन्वमानाः। गुदाः। पात्राणि।
सुदुघेति सुऽदुघा। न। धेनुः। श्येनस्य। पत्रम्। न। प्लीहा। शचीभिः।
आसंदीत्याऽसंदी। नाभिः। उदरम्। न। माता॥९१॥ कुम्भः। वनिष्ठुः।
जनिता। शचीभिः। ... यस्मिन्। अग्रे। योन्याम्। गर्भः। अन्तः।

बल्लाय। कर्णाभ्याम्। श्रोत्रम्। अमृतम्। ग्रहाभ्याम्॥ यवाः। न। बर्हिः।
भ्रुवि। केसराणि। कर्कन्धु। जज्ञे। मधु। सारघम्। मुखात्॥९६॥ आत्म
न्। उपस्थे। न। वृकस्य। लोम। मुखे। श्मश्रूणि। न। व्याघ्र
लोमेति व्याघ्रऽलोम। केशाः। न। शीर्षन्। यशसे। श्रियै। शिखा। सिं
हस्य। लोम। त्विषिः। इन्द्रियाणि॥९७॥ अङ्गानि। आत्मन्। भिषजा। त
त्। अश्विना। आत्मानम्। अङ्गैः। सम्। अधात्। सरस्वती। इन्द्रस्य। रूप
म्। शतमानमिति शतऽमानम्। आयुः। चन्द्रेण। ज्योतिः। अमृतम्। दधा
नाः॥९८॥ सरस्वती। योन्याम्। गर्भम्। अन्तः। अश्विभ्यामित्यश्विऽभ्या
म्। पत्नी। सुकृतमिति सुऽकृतम्। बिभर्ति। अपाम्। रसेन। वरुणः।
न। साम्ना। इन्द्रम्। श्रियै। जनयन्। अप्सु। राजा॥९९॥ तेजः।

पशुनाम्नाह विः। इंद्रियावत्। इंद्रियवदितीन्द्रियावत्। परिस्रुतेति परि।
स्रुता। पयसा। सारघम्। मधु। अश्विभ्यामित्यश्विऽभ्याम्। दुग्धम्।
भिषजा। सरस्वत्या। सुतासुताभ्याम्। अमृतः। सोमः। इंदुः॥१०॥ क्ष
त्रस्य। नाभिः। असि। क्षत्रस्य। योनिः। असि। मा। त्वा। हिंसीत्।
मा। मा। हिंसीः। स्योनाः। पाहि। विपोदिति वि। पोत्। पाहि॥११॥ अ
श्विनोः। भैषज्येन। तेजसे। ब्रह्मवर्चसाय। इति ब्रह्मऽवर्चसाय। अ
भि। सिंचामि। सरस्वत्यै। भैषज्येन। वीर्याय। अन्नाद्यायेत्यन्न।
आद्याय। इंद्रस्य। इंद्रियेण। बलाय। श्रियै। यशसे। अभि। सिंचा
मि॥१२॥ कः। असि। कतमः। कस्मै। काय। त्वा। सुश्लोकेति सु। श्लोक।
सुमंगलेति सु। मंगल। सत्यराजन्निति सत्य। राजन्॥१३॥ शिरः। मे।
श्रीः। यशः। मुखम्। त्विषिः। केशाः। च। श्मश्रूणि। राजा। मे। प्राणः।

मन्युः।

अमृतम्। सम्राडिति सम्। राट्। चक्षुः। विराडिति वि। राट्। श्रोत्रम्॥
जिह्वा। मे। भद्रम्। वाक्। महः। मनः। स्वराडिति स्व। राट्। भामः। मोदाः।
प्रमोदा इति प्र। मोदाः। अंगुलीः। अंगानि। मित्रम्। मे। सहः॥१५॥
बाहू इति बाहू। मे। बलम्। इंद्रियम्। हस्तौ। मे। कर्म। वीर्यम्। आ
त्मा। क्षत्रम्। उरः। मम॥१६॥ पृष्टीः। मे। राष्ट्रम्। उदरम्। अंसौ।
ग्रीवाः। च। श्रोणी इति श्रोणी। ऊरू इत्यूरू। अरत्नी इत्यरत्नी। जानु
नी इति जानुनी। विशः। मे। अंगानि। सर्वतः॥१७॥ नाभिः। मे। चि
त्तम्। विज्ञानमिति वि। ज्ञानम्। पायुः। मे। अपचितिरित्यपऽचितिः।
भसत्। आनंदनंदौ। आंडौ। मे। भगः। सौभाग्यम्। पसः॥१८॥ जं
घाभ्याम्। पद्भ्यामिति पत्। भ्याम्। धर्मः। अस्मि। विशि। राजा। प्रति
ष्ठितः। प्रतिष्ठित इति प्रति। स्थितः। प्रति। क्षत्रे। प्र। तिष्ठामि। राष्ट्रे।

अग्नेः पुरोगेषु ॥ ९९ ॥ अंगेषु । आलब्धा । प्रालो गृहा । पुरोघा । काम्याय । या ॥ ७

ले ॥ १०० ॥ त्रयाः । देवाः । एकादश । त्रय स्त्रिंशद्रा इति त्रयः । त्रिंशत्राः । सुरा

सहास सुराधसः । बृहस्पति सुत बृहस्पति सुतस्य एवोहि ना इ

ति बृहस्पति । पुरोहिताः । देवस्य । सवितुः । सवैर्देवाः । देवैः । अवंतु । मा

॥ १०१ ॥ प्रथमाः । द्वितीयैः । द्वितीयाः । तृतीयैः । तृतीयाः । सत्येन । सत्य

यज्ञेन । यज्ञः । यजुर्भिरिति यजुः भिः । यजूंषि । सामभिरिति साम

भिः ॥ १०२ ॥ सामानि । ऋग्भिरित्यृक्भिः । ऋचः । पुरोनुवाक्याभिरिति पुरः

अनुवाक्याभिः । पुरोनुवाक्या इति पुरः अनुवाक्याः । याज्याभिः । याज्याः

वषट्कारैरिति वषट्कारैः । वषट्काराः । आहुतिभिः

आहुतिभिः । आहुतयः । इत्याहुतयः । मेकामानू । सम । अर्द्धयन्तु । भ । स्वा

हा ॥ १०३ ॥ लोमान प्रयति रिति प्रयतिः । म मोलक्ष्मा । सेअनतिरि । सा

देवेभ्यः ॥ ३ ॥ प्रजापतयइति प्रजा । पतये । प्रसन्न । अस्य मरा । भ स्या स्य

देवेभ्यः । प्रजापतयइति प्रजा । पतये । तेन । राधुहि । प्या सरसा त सा ब धा न

देवेभ्यः । प्रजापतयइति प्रजा । पतये । तेन । राधुहि । प्रजापतयइति प्रजा

देवेभ्यः । प्रजापतयइति प्रजा । पतये । प्रोक्षामि । इंद्राग्निभ्यामितीन्द्राग्नि । भ्याम् । वायवे

पतये । त्वा । जुष्टम् । प्रोक्षामि । त्वा । देवेभ्यः । जुष्टम् । प्रोक्षामि ॥ ४ ॥ यः । अर्वं

विश्वेभ्यः । सर्वेभ्यः । त्वा । देवेभ्यः । अभि । अमा । त्वा । वरुणाः । परः । मर्त्तः । परः

तम् । जिघांसति । तम् । अभि । अमा । त्वा । सोमाय । अपाम् । मोदाय । सवित्रे । वायवे

स्वाहा ॥ ५ ॥ अग्नये । स्वाहा । सोमाय । अपाम् । मोदाय । सवित्रे । वायवे

विष्णवे । इंद्राय । बृहस्पतये । मित्राय । वरुणाय ॥ ६ ॥ हिंकारायेति हिम्

कराय । हिंकृतायेति हिम् । कृताय । क्रन्दते । अवक्रन्दायेत्यव । क्रन्दाय । प्रो

थते । प्रप्रोथायेति प्र । प्रोथाय । गन्धाय । घ्राताय ॥ ७ ॥ निविष्टायेति नि

ताय। विष्टाय। उपविष्टायेत्युप। विष्टाय। संहिताय। इति सम्। हिताय। वल्ग
ते। आसीनाय। शयानाय। स्वपते। जाग्रते॥ ८॥ कूजते। प्रबुद्धाये
ति प्र। बुद्धाय। विजृम्भमाणायेति वि। जृम्भमाणाय। विचृत्तायेति वि।
चृत्ताय। संहानायेति सम्। हानाय। उपस्थितायेत्युप। स्थिताय।
आयनायेत्या। अयनाय। प्रायणाय। प्रायणायेति प्र। अयनाय॥ २॥
यते। धावते। उद्द्रावायेत्युत्। द्रावाय। उद्द्रुतायेत्युत्। द्रुताय। शूकारा
य। शूकृताय। निषण्णाय। निसन्नायेति नि। सन्नाय। उत्थिताय॥

२१

॥ १०॥ जवाय। बलाय। विवर्तमानायेति वि। वर्तमानाय। विवृत्ताये
ति वि। वृत्ताय। विधून्वानायेति वि। धून्वानाय। विधूतायेति वि। धूताय।
शुश्रूषमाणाय। शृण्वते॥ ११॥ ईक्षमाणाय। ईक्षिताय। वीक्षिताय

ति वि। ईक्षिताय। निमेषायेति नि। मेषाय। यत्। अत्ति। तस्मै। पिबते
ति। मूत्रम्। करोति। कुर्वते। कृताय॥ १२॥ हिरण्यपाणिमिति हिरण्य।
पाणिम्। ऊतये। सवितारम्। उप। ह्वये। सः। चेत्ता। देवता। पदम्॥
॥ १३॥ देवस्य। चेततः। महीम्। प्र। सवितुः। हवामहे॥ सुमतिमिति सु।
मतिम्। सत्यराधसमिति सत्य। राधसम्॥ १४॥ सुष्टुतिम्। सुस्तुति
मिति सु। स्तुतिम्। सुमतीवृधः। सुमतीवृध इति सुमति। वृधः। राति
म्। सवितुः। ईमहे। प्र। देवाय। मतीविदे। मतिविद इति मति। विदे
॥ १५॥ रातिम्। सत्पतिमिति सत्। पतिम्। महे। सवितारम्। उप।
ह्वये। आसवमित्या। सवम्। देववीतयेति देव। वीतये॥ १६॥
देवस्य। सवितुः। मतिम्। आसवमित्या। सवम्। विश्वदेव्यमिति

१३२

विश्वादेव्यसं। धियाभग। मा। मनामहे ॥१७॥ अग्निम्। सोमेन। बोधय। सोमिधानइति सम्। इधानः। अमर्त्यम्। हव्या। देवेषु। नः। दधत्। ॥१८॥ सः। हव्यवाडिति हव्यवाट्। अमर्त्यः। उशिक्। दूतः। चनोहितः। चनः। हितः। अग्निः। धिया। सम्। ऋण्वति ॥१९॥ तम्। सबाधः। यतस्रुच इति यतस्रुचः। इत्था। धिया। यज्ञवन्त इति यज्ञवन्तः। आ। चक्रुः। अग्निम्। ऊतये ॥२०॥ अग्निम्। दूतम्। पुरः। दधे। हव्यवाहमिति हव्यवाहम्। उप। ब्रुवे। देवान्। आ। सादयात्। इह ॥२१॥ अजीजनः। हि। पवमान। सूर्यम्। विधारइति विधारे। शक्मना। पयः। गोजीरयेति गोजीरया। रंहमाणः। पुरंध्येति पुरम्। ध्या ॥२२॥ विभूरिति विभूः। मात्रा। प्रभूरिति प्रभूः। पित्रा। अश्वः। असि। हयः। असि। अत्यः। असि। मयः। असि। अर्वा। असि। सप्तिः। असि। वाजी। असि। वृषा। असि। नृमणाः। असि। नृमणा इति नृमनाः। ययुः। शिशुः। नाम। असि। आदित्यानाम्। पत्वा। अन्वा। इहि ॥२३॥ देवाः। आशापाला इत्याशाऽपालाः। एतम्। देवेभ्यः। अश्वम्। मेधाय। प्रोक्षितमिति प्रऽउक्षितम्। रक्षत। इह। रन्तिः। इह। रमताम्। इह। धृतिः। इह। स्वधृतिरिति स्वऽधृतिः। स्वाहा ॥२४॥ काय। स्वाहा। कस्मै। स्वाहा। कतमस्मै। स्वाहा। आधिमित्याधिम्। आधीताय। आधीताय। स्वाहा। मनः। प्रजापतयइति प्रजाऽपतये। स्वाहा। चित्तम्। विज्ञातायेति विऽज्ञाताय। स्वाहा ॥२५॥ अदित्यै। स्वाहा। अदित्यै। मह्यै। स्वाहा। सुमृडीकायाइति सुऽमृडीकायै। स्वाहा। सरस्वत्यै। स्वाहा। पावकायै। स्वाहा। बृहत्यै ॥२६॥ पूष्णे। प्रपथ्यायेति प्रऽपथ्याय। स्वाहा। नरंधिषाय। त्वष्ट्रे। तुरीपाय। पुरुरूपायेति पुरुऽरूपाय। विष्णवे। निभूयपायेति निभूयऽपाय। शिपिविष्टायेति शिपिऽविष्टाय। स्वाहा ॥२७॥ [illegible] आत्मन्। आप्रोत। अग्नि। वर्चसीति वर्च्चसी। त्वाविच्छ्रेसी। अत्नाम्। आरोह।

३२४

२०

राजन्यः।शूरः।इषव्यः।अतिव्याधीत्यति।व्याधी।महारथ इति महार
थः।आ।जायताम्।।२८।।दोग्ध्री।धेनुः।वोढा।अनड्वान्।आशुः।।सप्तिः
पुरंधिरिति पुरम्।धिः।योषा।जिष्णुः।रथेष्ठाः।रथेस्था इति रथे।स्थाः।
सभेयः।युवा।आ।अस्य।यजमानस्य।वीरः।जायताम्।।२९।।
निकामेनिकाम इति निकामे।निकामे।नः।पर्जन्यः।वर्षतु।फलवत्य
इति फल।वत्यः।नः।ओषधयः।पच्यन्ताम्।योगक्षेम इति योग।क्षेमः
नः।कल्पताम्।।३०।।प्राणाय।अपानायेत्यप।आनाय।व्याना
येतिवि।आनाय।चक्षुषे।श्रोत्राय।वाचे।मनसे।।३१।।प्राच्यै।दिशे।
अवाच्यै।दक्षिणायै।प्रतीच्यै।उदीच्यै।ऊर्ध्वायै।अर्वाच्यै।दिशे।।
।।३२।।अद्भ्य इत्यप्।भ्यः।वार्भ्य इति वाः।भ्यः।उदकाय।तिष्ठन्तीभ्यः।
स्रवन्तीभ्यः।स्यन्दमानाभ्यः।कूप्याभ्यः।सूद्याभ्यः।धार्याभ्यः।

।।३२।।

अर्णवाय।समुद्राय।सरिराय।।३३।।वाताय।धूमाय।अभ्राय।मेघाय।
विद्योतमानायेति वि।द्योतमानाय।स्तनयते।अवस्फूर्जत इत्यव
वा।स्फूर्जते।वर्षते।अववर्षत इत्यव।वर्षते।उग्रम्।शीघ्रम्।उद्गृ
ह्णत इत्युत्।गृह्णते।उद्गृहीतायेत्युत्।गृहीताय।प्रुष्णते।शीका
यते।प्रुष्वाभ्यः।ह्रादुनीभ्यः।नीहाराय।।३४।।अग्नये।सोमाय।
इन्द्राय।पृथिव्यै।अन्तरिक्षाय।दिवे।दिग्भ्य इति दिक्।भ्यः।आशा
भ्यः।उर्व्यै।अर्वाच्यै।दिशे।।३५।।नक्षत्रेभ्यः।नक्षत्रियेभ्यः।अहो
रात्रेभ्यः।अर्धमासेभ्य इत्यर्ध।मासेभ्यः।ऋतुभ्य इत्यृतु।भ्यः
आर्तवेभ्यः।संवत्सराय।द्यावापृथिवीभ्याम्।।३६।।चन्द्राय।
सूर्याय।रश्मिभ्य इति रश्मि।भ्यः।वसुभ्य इति वसु।भ्यः।रुद्रे

२मासेभ्यः।।

भ्यः । आपूतेभ्यः । मरुद्भ्य इति मरुत्ऽभ्यः । विश्वेभ्यः । देवेभ्यः ॥ २६ ॥ मूले
भ्यः । शाखाभ्यः । वनस्पतिभ्य इति वनस्पतिऽभ्यः । पुष्पेभ्यः । फलेभ्यः ।
ओषधीभ्यः ॥ २७ ॥ पृथिव्यै । अन्तरिक्षाय । दिवे । सूर्याय । चन्द्राय । नक्ष
त्रेभ्यः । अद्भ्य इत्यत्ऽभ्यः । ओषधीभ्यः । वनस्पतिभ्य इति वनस्पति
ऽभ्यः । परिप्लवेभ्य इति परिऽप्लवेभ्यः । चराचरेभ्यः । सरीसृपेभ्यः
॥ २८ ॥ असवे । वसवे । विभुव इति विऽभुवे । विवस्वते । गणश्रिय इति
गणऽश्रिये । गणपतय इति गणऽपतये । अभिभुव इत्यभिऽभुवे ।
अधिपतय इत्यधिऽपतये ॥ २९ ॥ शूषाय । संसर्पायेति सम्ऽस
र्पाय । चन्द्राय । ज्योतिषे । मलिम्लुचाय । दिवा । पतयते ॥ ३० ॥
मधवे । माधवाय । शुक्राय । शुचये । नभसे । नभस्याय । इषाय ।
ऊर्जाय । सहसे । सहस्याय । तपसे । तपस्याय । अंहसस्पतये ।

॥ ३४ ॥

अंहसस्पतय इत्यंहसःऽपतये ॥ ३१ ॥ वाजाय । प्रसवायेति प्रऽसवाय ।
अपिजाय इत्यपिऽजाय । क्रतवे । स्वः । मूर्ध्ने । व्यश्नुविन इति विऽअश्नुवि
ने । आन्त्याय । आन्त्यायनायेत्यान्त्यऽआयनाय । भौवनाय । भुवन
स्य । पतये । अधिपतय इत्यधिऽपतये । प्रजापतय इति प्रजाऽपतये
॥ ३२ ॥ आयुः । यज्ञेन । कल्पताम् । प्राणः । अपान इत्यपऽआनः । व्या
न इति विऽआनः । उदान इत्युत्ऽआनः । समान इति सम्ऽआनः । च
क्षुः । श्रोत्रम् । वाक् । मनः । आत्मा । पृष्ठम् । ब्रह्मा । यज्ञः । ज्योतिः । स्वः ।
यज्ञेन । कल्पताम् ॥ ३३ ॥ एकस्मै । द्वाभ्याम् । शताय । एकशताये
त्येकऽशताय । व्युष्ट्या इति विऽउष्ट्यै । स्वर्गायेति स्वःऽगाय । स्वाहा
॥ ३४ ॥ ५ ॥ ३१ ॥ २ ॥ ३४ ॥ इति चतुर्विंशतिमोध्यायः ॥

ह्वि।ओं।२।प्रजापतय इति प्रजा।पतये।त्वा।जुष्टं।गृह्णामि।एषः।ते।
योनिः।सूर्यः।ते।महिमा।यः।ते।अहन्।संवत्सरे।महिमा।संबभूवे
ति सम्।बभूव।यः।वायौ।अंतरिक्षे।दिवि।सूर्ये।तस्मै।ते।महिम्ने।प्रजा
पतय इति प्रजा।पतये।स्वाहा।देवेभ्यः॥२॥यः।प्राणतः।निमिषत इ
ति नि।मिषतः।महित्वेति महि।त्वा।एकः।इत्।राजा।जगतः।बभूव।यः
ईशे।अस्य।द्विपद इति द्वि।पदः।चतुष्पदः।चतुष्पद इति चतुः।प
दः।कस्मै।देवाय।हविषा।विधेम॥३॥चंद्रमाः।ते।महिमा।यः।ते।रात्रौ
संवत्सरे।महिमा।संबभूवेति सम्।बभूव।पृथिव्याम्।अग्नौ।नक्ष
त्रेषु।चंद्रमसि।तस्मै।ते।महिम्ने।प्रजापतय इति प्रजा।पतये।देवे
भ्यः।स्वाहा॥४॥युंजंति।ब्रध्नम्।अरुषम्।चरंतम्।परि।तस्थुषः॥

रोचंते।रोचना।दिवि॥५॥युंजंति।अस्य।काम्या।हरी इति हरी।विपक्षसेति वि
पक्षसा।रथे।शोणा।धृष्णू इति धृष्णू।नृवाहसेति नृ।वाहसा॥६॥यत्।
वातः।अपः।अगनीगन्।प्रियाम्।इंद्रस्य।तन्वम्।एतम्।स्तोतः।अनेन
पथा।पुनः।अश्वम्।आ।वर्त्तयासि।नः॥७॥वसवः।त्वा।अंजंतु।गा
यत्रेण।छंदसा।रुद्राः।त्रैष्टुभेन।त्रैस्तुभेनेति त्रैस्तुभेन।आदित्याः।
जागतेन॥८॥भूः।भुवः।स्वः।लाजी३न्।शाची३न्।यव्ये।गव्ये।एतत्।
अन्नम्।अत्त।देवाः।एतत्।अन्नम्।अद्धि।प्रजापत इति प्रजाऽपते
॥९॥कः।स्वित्।एकाकी।चरति।कः।ऊं इत्यु।आवपनमित्याऽवपन
म्।महत्॥१॥सूर्यः।एकाकी।चरति।चंद्रमाः।जायते।पुनरिति
पुनः।अग्निः।हिमस्य।भेषजम्।भूमिः।आवपनमित्याऽवपनम्।
महत्॥१०॥का।स्वित्।आसीत्।पूर्वचित्तिरिति पूर्व।चित्तिः।अ
४ स्वित्।जायते।पुनरिति पुनः।किम्।स्वित्।हिमस्य।

का।स्वित्।आसीत्।पिलिप्पिला।

कस्य। स्वित्। आसीत्। बृहत्। वयः॥ का। स्वित्। आसीत्। पिलिप्पिला। का।
स्वित्। आसीत्। आपिशंगिला॥५३॥ द्यौः। आसीत्। पूर्वचित्तिरिति पूर्व।
चित्तिः। अश्वः। आसीत्। बृहत्। वयः। अविः। आसीत्। पिलिप्पिला। रा
त्रिः। आसीत्। पिशंगिला॥५४॥ वायुः। त्वा। पचतैः। अवतु। असितग्री
वइत्यसितग्रीवः। छागैः। न्यग्रोधः। चमसैः। शल्मलिः। वृद्ध्या। एषः।
स्यः। राथ्यः। वृषा। पड्भिरिति पट्। भिः। चतुर्भिरिति चतुः। भि
आ। इत्। अगन्। ब्रह्मा। अकृष्णः। च। नः। अवतु। नमः। अग्नये॥५५॥
संशितइति सम्। शितः। रश्मिना। रथः। संशितइति सम्। शि
तः। रश्मिना। हयः। संशितइति सम्। शितः। अप्सु। अप्सु
जा इत्यप्सुजाः। ब्रह्मा। ~~ब्रह्मा~~। सोमपुरोगवइति सोम। पुरोगव ॥

स्वयम्। वाजिन्। तन्वम्। कल्पयस्व। स्वयम्। यजस्व। स्वयम्। जुषस्व।
महिमा। ते। अन्येन। न। सन्नशइति सम्। नशे॥५६॥ न। वै। उ इत्यूं। एतत्।
म्रियसे। न। रिष्यसि। देवान्। इत्। एषि। पथिभिरिति पथिभिः।
सुगेभिरिति सुगेभिः। यत्र। आसते। सुकृत इति सुकृतः। यत्र। ते। ययुः।
तत्र। त्वा। देवः। सविता। दधातु॥५७॥ अग्निः। पशुः। आसीत्। तेन। अयज
न्त। सः। एतम्। ~~अजयत्~~। लोकम्। अजयत्। यस्मिन्। अग्निः। सः।
ते। लोकः। भविष्यति। तम्। जेष्यसि। पिब। एताः। अपः। वायुः। सूर्यः।
॥५८॥ अम्बे। अम्बिके। अम्बालिके। न। मा। नयति। कः। चन। सस
स्ति। अश्वकः। सुभद्रिकामिति सुभद्रिकाम्। काम्पीलवासिनी
निति काम्पील। वासिनीम्॥५९॥ गणानाम्। त्वा। गणपतिमि

निरुप्ता। पतिरसि। हवामहे। प्रियाणां त्वा प्रियपतिमिति प्रिया। पतिम्।
निधीनां त्वा निधिपतिमिति निधीनाम्। निधिपतिमिति निधि। पतिम्। हवामहे।
वसो इति वसो। मम॥२७॥ आ। अहम्। अजानि। गर्भधम्। इति गर
र्भ। धम्। आ। त्वम्। अजासि। गर्भधमिति गर्भ। धम्। तौ। उभौ।
चतुरः। पदः। सम्प्रसारयावेति सम्। प्रसारयाव। स्वर्ग इति स्वः।
गे। लोके। प्र। ऊर्णुवाथाम्। वृषा। वाजी। रेतोधा इति रेतः। धाः। रेतः।
दधातु॥२१॥ उत्सक्थ्या इत्युत्। सक्थ्याः। अव। गुदम्। धेहि। सम्।
अञ्जिम्। चारय। वृषन्। यः। स्त्रीणाम्। जीवभोजन इति जीव। भो
जनः॥२२॥ यका। असकौ। शकुन्तिका। आहलक इति। वञ्चति। आ
हन्ति। गभे। पसः। नि। गल्गलीति। धारका॥२३॥ यकः। असकौ।

शकुन्तकः। आहलक इति। वञ्चति। विवक्षत इवेति विवक्षतः। इव। ते
मुखम्। अध्वर्यो इत्यध्वर्यो। मा। नः। त्वम्। अभि। भाषथाः॥२४॥ मा
ता। च। ते। पिता। च। ते। अग्रम्। वृक्षस्य। रोहतः। प्र। तिलामि। इति। ते।
पिता। गभे। मुष्टिम्। अतंसयत्॥२५॥ माता। च। ते। पिता। च। ते।
अग्रे। वृक्षस्य। क्रीडतः। विवक्षत इवेति विवक्षतः। इव। मुखम्।
ब्रह्मन्। ब्रह्मन्। मा। त्वम्। वदः। बहु॥२६॥ ऊर्ध्वाम्। एनाम्। उत्।
श्रापय। गिरौ। भारम्। हरन्निवेति हरन्। इव। अथ। अस्यै।
मध्यम्। एधताम्। शीते। वाते। पुनन्निवेति पुनन्। इव॥२७॥ ऊ
र्ध्वम्। एनम्। उत्। श्रापयतात्। गिरौ। भारम्। हरन्निवेति हरन्।
इव। अथ। अस्य। मध्यम्। एजतु। शीते। वाते। पुनन्निवेति पु
नन्। इव॥२८॥ यत्। अस्याः। अंहुभेद्याः इत्यंहु। भेद्याः।

कृधु। स्थूलम्। उपातसदित्युप। अतसत्। मुष्कौ। इत्। अस्याः। एजतः।
गोशफ इति गोऽशफे। शकुलाविवेति शकुलौऽइव॥२८॥ यत्। देवासः।
ललामगुमिति ललामऽगुम्। प्र। विष्टीमिनम्। आविषुः। सक्थ्ना।
देदिश्यते। नारी। सत्यस्य। अक्षिभुव इत्यक्षिऽभुवः। यथा॥२९॥
यत्। हरिणः। यवम्। अत्ति। न। पुष्टम्। पशु। मन्यते। शूद्रा। यत्।
अर्यजारेत्यर्यऽजारा। न। पोषाय। धनायति॥३०॥ यत्। हरि
णः। यवम्। अत्ति। न। पुष्टम्। बहु। मन्यते। शूद्रः। यत्। अर्या
यै। जारः। न। पोषम्। अनु। मन्यते॥३१॥ दधिक्राव्ण इति दधिऽ
क्राव्णः। अकारिषम्। जिष्णोः। अश्वस्य। वाजिनः। सुरभि।
नः। मुखा। करत्। प्र। नः। आयूंषि। तारिषत्॥३२॥ गायत्री।
त्रिष्टुप्। त्रिष्टुबिति त्रिऽस्तुप्। जगती। अनुष्टुप्। अनुस्तु

२४

१ बृहत्

यनुष्टुप्। पङ्क्त्या। सह। बृहती। उष्णिहा। ककुप्। सूचीभिः। शम्यन्तु। त्वा॥३३॥ द्वि
पदेति द्विऽपदाः। याः। चतुष्पदा इति चतुःऽपदाः। त्रिपदा इ
ति त्रिऽपदाः। याः। च। षट्पदा इति षट्ऽपदाः। विच्छन्दा इति विऽछन्दाः। याः।
च। सछन्दा इति सऽछन्दाः। सूचीभिः। शम्यन्तु। त्वा॥३४॥ महानाम्न्य इ
ति महाऽनाम्न्यः। रेवत्यः। विश्वाः। आशाः। प्रभूवरीरिति प्रऽभूवरीः।
मैघीः। विद्युत इति विऽद्युतः। वाचः। सूचीभिः। शम्यन्तु। त्वा॥३५॥
नार्यः। ते। पत्न्यः। लोम। विचिन्वन्तु। मनीषया। देवानाम्। पत्न्यः।
दिशः। सूचीभिः। शम्यन्तु। त्वा॥३६॥ रजताः। हरिणीः। सीसाः।
युजः। युज्यन्ते। कर्मभिरिति कर्मऽभिः। अश्वस्य। वाजिनः। त्वचि।
सिमाः। शम्यन्तु। शम्यन्तीः॥३७॥ कः। त्वा। आ। छ्यति। कः। त्वा। वि

२२०

॥ ३६ ॥

त्वा । शास्ति । कः । ते । गात्राणि । शम्यति ॥ कः । ऊं इति । ते । शमिता । कविः ॥ ऋ-
तवः । ते । ऋतुथेत्यृतुऽथा । पर्व । शमितारः । वि । शासतु ॥ संवत्सर-
स्य । तेजसा । शमीभिः । शम्यन्तु । त्वा ॥ ४० ॥ अर्धमासा इत्यर्धऽमा-
साः । परूंषि । ते । मासाः । आ । छ्यन्तु । शम्यन्तः ॥ अहोरात्राणीत्यहोऽरात्राणि । म-
रुतः । विलिष्टमिति विऽलिष्टम् । सूदयन्तु । ते ॥ ४१ ॥ दैव्याः । अध्वर्य-
वः । त्वा । आ । छ्यन्तु । वि । च । शासतु ॥ गात्राणि । पर्वश इति पर्वऽशः । ते । सि-
माः । कृण्वन्तु । शम्यन्तीः ॥ ४२ ॥ द्यौः । ते । पृथिवी । अन्तरिक्षम् ।
वायुः । छिद्रम् । पृणातु । ते ॥ सूर्यः । ते । नक्षत्रैः । सह । लोकम् । कृणोतु ।
साधुयेति साधुऽया ॥ ४३ ॥ शम् । ते । परेभ्यः । गात्रेभ्यः । शम् ।

अस्तु । अवरेभ्यः ॥ शम् । अस्थभ्य इत्यस्थऽभ्यः । मज्जभ्य इति मज्जऽभ्यः ॥
शम् । ऊं इति । अस्तु । तन्वै । तव ॥ ४४ ॥ किम् । स्वित् । सूर्यसममिति
सूर्यऽसमम् । ज्योतिः । किम् । समुद्रसममिति समुद्रऽसमम् । सरः ॥
किम् । स्वित् । पृथिव्यै । वर्षीयः । कस्य । मात्रा । न । विद्यते ॥ ४५ ॥
ब्रह्म । सूर्यसममिति सूर्यऽसमम् । ज्योतिः । द्यौः । समुद्रसम-
मिति समुद्रऽसमम् । सरः ॥ इन्द्रः । पृथिव्यै । वर्षीयान् । गोः ।
तु । मात्रा । न । विद्यते ॥ ४६ ॥ पृच्छामि । त्वा । चितये । देवसखेति
देवऽसख । यदि । त्वम् । अत्र । मनसा । जगन्थ ॥ येषु । विष्णुः । त्रिषु ।
पदेषु । एष्ट इत्याऽइष्टः । तेषु । विश्वम् । भुवनम् । आ । विवेश ॥
अपि । तेषु । त्रिषु । पदेषु । अस्मि । येषु । विश्वम् । भुवनम् । आविवे-

चो स्मा। विवेश्मौ। रक्षः। परि। एभिः। पृथिवी मू। अने। पाम्। एन

ना। दिवः॥ अस्याः। एषम्॥ ४८॥ कुमा। अंतरस्येनः। पुरु जः॥ आ। विवे

क्तानि। अंतरस्यंतः। पुरुपा। अर्पितानि। एनकौ। कल्पन। उप। वत्स

मस्मिान्। किमरा स्विन्नान् नः। प्रति। वोचा स्मि। अंत्र॥ ४९॥ पंच

स्वानि पंच। स्तु। अंतरस्यंतः। पुरुपाः। आ। विवेश। तानि। अंतरिक्षे

नः। पुरुपा। अर्पितानि। एनकौ॥ अत्र। प्रति मन्वान। इति प्रति

मन्वानः। अस्मिन्। मायया। भवसि। उत्तर स्रुत्तरः। मनु

॥५०॥ कः। ईम्। अरे। पिशंगिला। कः। ईम्। कुरु पिशंगिले। ति

ता। पिशंगिला। कः। ईम्। आ। स्कंदमिष्या। स्कंदम्। अर्वति। कः

ईम्। पथाम्। वि। सर्पति॥ ५१॥ अजा। अरे। पिशंगिला। श्वा

ति कुरु। आविरिति मु। वितः। कुरु पिशंगिले। ति कुरु। पिशंगिला॥ श्वा

आस्कंदमिष्या। स्कंदम्। अर्वति। अहिः। पथाम्। वि। सर्पति॥ ५२॥

कति। अस्याः। विष्ठाः। विस्था इति वि स्थाः। कति। अक्षराणि। कति।

होमासः। कतिधा। समिद्ध इति सम् इद्धः॥ यज्ञस्य। त्वा। विदथा।

पृच्छम्। अत्र। कति। होतारः। ऋतुश इति ऋतु शः। यजन्ति॥ ५३॥

षट्। अस्याः। विष्ठाः। विस्था इति वि स्थाः। शतम्। अक्षराणि। अ

धृ ४ धे: शीतिः। होमाः। समिध इति सम् इधः। ह। तिस्रः॥ यज्ञस्य। ते

विदथा। प्र। ब्रवीमि। सप्त। होतारः। ऋतुश इति ऋतु शः। यजन्ति॥

॥५४॥ कः। अ... वेद। भुवनस्य। नाभिम्। कः। द्यावा पृथि

वी इति। पावा ... पृथिवी। अन्तरिक्षम्॥

कः। सूर्यस्य। वेद। बृहतः। जनित्रम्। कः। वेद। चंद्रमसम्। यतोजा इति यतः
जाः॥ ५९ ॥ वेद। अहम्। अस्य। भुवनस्य। नाभिम्। वेद। द्यावापृथि
वी इति द्यावापृथिवी। अंतरिक्षम्। वेद। सूर्यस्य। बृहतः। जनित्रम्। अथो
इत्यथो। वेद। चंद्रमसम्। यतोजा इति यतः ऽजाः॥ ६० ॥ पृच्छा
मि। त्वा। परम्। अंतम्। पृथिव्याः। पृच्छामि। यत्र। भुवनस्य। नाभिः॥
पृच्छामि। त्वा। वृष्णः। अश्वस्य। रेतः। पृच्छामि। वाचः। परमम्। व्योमेति
विऽओम॥ ६१ ॥ इयम्। वेदिः। परः। अंतः। पृथिव्याः। अयम्। यज्ञः।
भुवनस्य। नाभिः। अयम्। सोमः। वृष्णः। अश्वस्य। रेतः। ब्रह्मा। अयम्
वाचः। परमम्। व्योमेति विऽओम॥ ६२ ॥ सुभूः इति सुऽभूः। स्वयं
भूः इति स्वयम्ऽभूः। प्रथमः। अंतः। महति। अर्णवे। दधे। ह। गर्भम्
ऋत्वियम्। यतः। जातः। प्रजापतिरिति प्रजाऽपतिः॥ ६३ ॥ होता।

यक्षत्। प्रजापतिम्। इति प्रजाऽपतिम्। सोमस्य। महिम्नः। जुषताम्।
पिबतु। सोमम्। होतः। यज॥ ६४ ॥ [illegible] ॥ अश्वः। तूपरः।
इति पंचविंशतितमोऽध्यायः॥ ॥ ओ३म् ॥
गोमृग इति गोऽमृगः। ते। प्राजापत्या इति प्राजाऽपत्याः। कृष्णग्रीव इ
ति कृष्णऽग्रीवः। आग्नेयः। रराटे। पुरस्तात्। सारस्वती। मेषी। अधस्ता
त्। हन्वोः॥ १ ॥ आश्विनौ। अधोरामाविति अधःऽरामौ। बाह्वोः। सौमा
पौष्णः। श्यामः। नाभ्याम्। सौर्ययामौ। श्वेतः। च। कृष्णः। च। पार्श्व
योः। त्वाष्ट्रौ। लोमशसक्थाविति लोमशऽसक्थौ। सक्थ्योः। वाय
व्यः। श्वेतः। पुच्छे। इंद्राय। स्वपस्यायेति सुऽअपस्याय। वेहत्। वैष्ण
वः। वामनः॥ रोहितः। धूम्ररोहित इति धूम्रऽरोहितः। कर्कंधुरोहित इति क
र्कंधुऽरोहितः। ते। सौम्याः। बभ्रुः। अरुणबभ्रुरित्यरुणऽबभ्रुः।

पृ। ३

शुक्रबभ्रु इति शुक्रबभ्रुः। नै। वारुणाः॥४॥ शितिरंध्र इति शितिरं-
ध्रः। अन्यतःशितिरंध्र इत्यन्यतःशितिरंध्रः। समन्तशितिरंध्र इ-
समन्तशितिरंध्रः। नै। सावित्राः। शितिबाहुरिति शितिबाहुः। अन्य-
तःशितिबाहुरित्यन्यतःशितिबाहुः। समन्तशितिबाहुरिति सम-
न्तशितिबाहुः। नै। बार्हस्पत्याः। पृषती। क्षुद्रपृषतीति क्षुद्रपृषती। पृषती
स्थूलपृषतीति स्थूलपृषती। नै। मैत्रावरुण्यः॥५॥ शुद्धवाल
इति शुद्धवालः। सर्वशुद्धवाल इति सर्वशुद्धवालः। मणिवाल इति
मणिवालः। नै। आश्विनाः। श्येतः। श्येताक्ष इति श्येताक्षः। अरुणः।
अरुणाः। नै। रुद्राय पशुपतये इति पशुऽपतये। कर्णाः। यामाः।
॥५॥ अवलिप्ता इत्यवलिप्ताः। रौद्राः। नभोरूपा इति नभःऽरूपाः।

पार्जन्याः॥ पृश्निः। तिरश्चीनपृश्निरिति तिरश्चीनपृश्निः। ऊर्ध्वपृ-
श्निरित्यूर्ध्वपृश्निः। नै। मारुताः॥६॥ फल्गूः। लोहितोर्णीति लोहि-
तोर्णी। पलक्षी। नैः॥ सारस्वत्याः। प्लीहाकर्ण इति प्लीहाकर्णः। शु-
ण्ठाकर्ण इति शुण्ठाकर्णः। अध्यालोहकर्ण इत्यध्यालोहकर्णः। नै।
त्वाष्ट्राः॥७॥ कृष्णग्रीव इति कृष्णग्रीवः। शितिकक्ष इति शितिक-
क्षः। अंजिसक्थ इत्यंजिसक्थः। नै। ऐन्द्राग्नाः। कृष्णाञ्जिरिति कृष्णा-
ञ्जिः। अल्पाञ्जिरित्यल्पाञ्जिः। महाञ्जिरिति महाञ्जिः। नै। उ-
षस्याः॥८॥ शिल्पाः। वैश्वदेव्य इति वैश्वऽदेव्यः। रोहिण्यः। त्र्यव्यः
वय इति त्रिऽअवयः। वाचे। अविज्ञाता इत्यविऽज्ञाताः। अदित्यै। स-
रूपा इति सऽरूपाः। धात्रे। वत्सतर्यः। देवानां। पत्नीभ्यः।
कृष्णग्रीवा इति कृष्णऽग्रीवाः। आग्नेयाः। शितिभ्रव इति शिति-

ग्रतः। वसूनाम्। रोहिताः। रुद्राणाम्। श्वेताः। अवरोकिण इत्यवऽ
रोकिणः। आदित्यानाम्। नभोरूपा इति नभःऽरूपाः। पार्जन्याः
॥१०॥ उन्नत इत्युत्ऽनतः। ऋषभः। वामनः। ते। ऐन्द्रावैष्णवाः। उन्न
तः इत्युत्ऽनतः। शितिबाहुरिति शितिऽबाहुः। शितिपृष्ठ इति शिति
ऽपृष्ठः। ते। ऐन्द्राबार्हस्पत्याः। शुकरूपा इति शुकऽरूपाः। वाजिनाः।
कल्माषाः। आग्निमारुताः। श्यामाः। पौष्णाः॥११॥ एताः। ऐन्द्राग्नाः।
द्विरूपा इति द्विऽरूपाः। अग्नीषोमीयाः। वामनाः। अनड्वाहः। आ
ग्नावैष्णवाः। वशाः। मैत्रावरुण्यः। अन्यतएन्य इत्यन्यतःऽएन्यः। ए
मैत्र्यः॥१२॥ कृष्णग्रीवा इति कृष्णऽग्रीवाः। आग्नेयाः। बभ्रवः। सौ
म्याः। श्वेताः। वायव्याः। अविज्ञाता इत्यविऽज्ञाताः। अदित्यै। सरू

वर्तिका॥४

इति सऽरूपाः। धात्रे। वत्सतर्यः। देवानाम्। पत्नीभ्यः॥१३॥ कृष्णाः।
भौमाः। धूम्राः। आंतरिक्षाः। बृहंतः। दिव्याः। शबलाः। वैद्युताः।
सिध्माः। तारकाः॥१४॥ धूम्रान्। वसंताय। आ। लभते। श्वेतान्। ग्री
ष्माय। कृष्णान्। वर्षाभ्यः। अरुणान्। शरदे। पृषतः। हेमंताय। पि
शंगान्। शिशिराय॥१५॥ त्र्यवय इति त्रिऽअवयः। ~~[illegible]~~
~~[illegible]~~ गायत्र्यै। पंचावय इति पंचऽअवयः। त्रिष्टुभे।
त्रिस्तुभ इति त्रिऽस्तुभे। दित्यवाह इति दित्यऽवाहः। जगत्यै। त्रिवत्सा
इति त्रिऽवत्साः। अनुष्टुभे। अनुस्तुभ इत्यनुऽस्तुभे। तुर्यवाह इति
तुर्यऽवाहः। उष्णिहे॥१६॥ पष्ठवाह इति पष्ठऽवाहः। विराज इति विऽरा
जे। उक्षाणः। बृहत्यै। ऋषभाः। ककुभे। अनड्वाहः। पंक्त्यै। धेनवः।

अतिछंदसइत्यतिछंदसे ॥१८॥ लूहग्रीवा इति लूहग्रीवाः ॥ आग्ने
याः ॥ बभ्रवः ॥ सौम्याः ॥ उपध्वस्ता इत्युपऽध्वस्ताः ॥ सावित्राः ॥ वत्सत
र्यः ॥ सारस्वत्यः ॥ श्यामाः ॥ पौष्णाः ॥ पृश्नयः ॥ मारुताः ॥ बहुरूपा इति
बहुरूपाः ॥ वैश्वदेवा इति वैश्वदेवाः ॥ वशाः ॥ द्यावापृथिवीयाः ॥
॥१९॥ उक्ताः ॥ संचरा इति संचराः ॥ एताः ॥ ऐंद्राग्नाः ॥ कृष्णाः ॥ वा
रुणाः ॥ पृश्नयः ॥ मारुताः ॥ कायाः ॥ तूपराः ॥२०॥ अग्नयेऽनी
कवत इत्यनीकऽवते ॥ प्रथमजानिति प्रथमऽजान् ॥ आलभते ॥
मरुद्भ्य इति मरुत्ऽभ्यः ॥ सांतपनेभ्य इति सांऽतपनेभ्यः ॥ सव
त्यानिति सावात्यान् ॥ गृहमेधिभ्य इति गृहमेधिऽभ्यः ॥ बष्कि
हान् ॥ क्रीडिभ्य इति क्रीडिऽभ्यः ॥ संसृष्टानिति समासृष्टान् ॥

स्वतवद्भ्य इति स्वतवत्ऽभ्यः ॥ अनुसृष्टानित्यनुसृष्टान् ॥२१॥ उक्ताः ॥
संचरा इति संचराः ॥ एताः ॥ ऐंद्राग्नाः ॥ प्राशृंगाः ॥ प्राशृंगा इति प्रशृं
गाः ॥ माहेंद्रा इति माहाइंद्राः ॥ बहुरूपा इति बहुरूपाः ॥ वैश्वकर्म
णा इति वैश्वकर्मणाः ॥२२॥ धूम्राः ॥ बभ्रुनीकाशाः ॥ बभ्रुनीका
शा इति बभ्रुनीकाशाः ॥ पितॄणाम् ॥ सोमवतामिति सोमऽवता
म् ॥ बभ्रवः ॥ धूम्रनीकाशाः ॥ धूम्रनीकाशा इति धूम्रनीकाशाः ॥
पितॄणाम् ॥ बर्हिषदाम् ॥ बर्हिसदामिति बर्हिऽसदाम् ॥ कृष्णाः ॥
बभ्रुनीकाशाः ॥ बभ्रुनीकाशा इति बभ्रुनीकाशाः ॥ पितॄणा
म् ॥ अग्निष्वात्तानाम् ॥ अग्निष्वात्तानामित्यग्निस्वात्तानाम् ॥
कृष्णाः ॥ पृषंतः ॥ त्रैयंबकाः ॥२३॥ उक्ताः ॥ संचरा इति संचरा

रः। एताः। शुनासीरीयाः। श्वेताः। वायव्याः। श्वेताः। सौर्याः॥
वसन्ताय। कपिंजलान्। आलभते। ग्रीष्माय। कलविंकान्।
वर्षाभ्यः। तित्तिरीन्। शरदे। वर्तिकाः। हेमन्ताय। ककरान्। शिशि
राय। विककरानिति विककरान्॥२१॥ समुद्राय। शिशुमारानिति
शिशुमारान्। आलभते। पर्जन्याय। मण्डूकान्। अद्भ्य इत्यत्
भ्यः। मत्स्यान्। मित्राय। कुलीपयान्। वरुणाय। नाक्रान्॥२२॥
सोमाय। हंसान्। आलभते। वायवे। बलाकाः। इन्द्राग्निभ्यामितीन्द्रा
ग्निभ्याम्। क्रुंचान्। मित्राय। मद्गून्। वरुणाय। चक्रवाकानिति चक्रवाका
न्॥२३॥ अग्नये। कुटरून्। आलभते। वनस्पतिभ्य इति वनस्पति
भ्यः। उलूकान्। अग्नीषोमाभ्याम्। चाषान्। अश्विभ्यामित्यश्विभ्याम्।

मयूरान्। मित्रावरुणाभ्याम्। कपोतान्॥२४॥ सोमाय। लबान्। आलभते।
त्वष्ट्रे। कौलीकान्। गोषादीः। गोसादीरिति गोसादीः। देवानाम्। पत्नीभ्यः।
कुलीकाः। देवजामिभ्य इति देवजामिभ्यः। अग्नये। गृहपतय इति गृह
पतये। पारुष्णान्॥२५॥ अह्ने। पारावतान्। आलभते। रात्र्यै। सीचापूः।
अहोरात्रयोः। संधिभ्य इति संधिभ्यः। जतूः। मासेभ्यः। दात्यौहान्। संव
त्सराय। महतः। सुपर्णानिति सुपर्णान्॥२६॥ भूम्यै। आखून्। आ
लभते। अंतरिक्षाय। पाङ्क्त्रान्। दिवे। कशान्। दिग्भ्य इति दिग्भ्यः।
नकुलान्। बभ्रुकान्। अवान्तरदिशाभ्य इत्यवान्तरदिशाभ्यः॥२७॥
वसुभ्य इति वसुभ्यः। ऋश्यान्। आलभते। रुद्रेभ्यः। रुरून्। आदित्ये
भ्यः। न्यंकून्। विश्वेभ्यः। देवेभ्यः। पृषतान्। साध्येभ्यः। कुलुङ्गान्॥

ऐन्द्राग्नाय। परस्वतः॥ आलभते। मित्राय। गौरान्। वरुणाय। महिषान्
बृहस्पतये। गवयान्। त्वष्ट्र उष्ट्रान्॥ २३॥ प्रजापतय इति प्रजाः पतये
पुरुषान्। हस्तिनः। आलभते। वाचे। प्लुषीन्। चक्षुषे। मशकान्। श्रो
त्राय। भृंगाः॥ २४॥ प्रजापतय इति प्रजापतये। च। वायवे। च। गोमृग इ
ति गोमृगः। वरुणाय। आरण्यः। मेषो। यमाय। कृष्णः॥ मनुष्यरा
जायेति मनुष्यराजाय। मर्कटः। शार्दूलाय। रोहित्। ऋषभाय। गवयी
क्षिप्रश्येनायेति क्षिप्रश्येनाय। वर्त्तिका। नीलंगोः। कृमिः। समुद्राय
शिशुमारेति शिशुमारः। हिमवत इति हिमावते। हस्ती॥ २५॥ मयुः
प्राजापत्य इति प्राजापत्यः। उलः। हलिक्ष्णः। वृषदंश इति वृषदंशः
ते। धात्रे। दिशाम्। कङ्कः। धुंक्षा। आग्नेयी। कलविङ्कः। लोहिताहिः। लो

हिताहिः। पुष्करसाद इति पुष्कर। सादः। ते। त्वाष्ट्राः। वाचे। क्रुञ्चः॥ २६॥
सोमाय। कुलुंगः। आरण्यः। अजः। नकुलः। शका। ते। पौष्णाः। क्रोष्टा।
मायोः। इन्द्रस्य। गौरमृग इति गौर। मृगः। पिद्वः। न्यंकुः। कक्कटः। ते। अनु
मत्या इत्यनुमत्यै। प्रतिश्रुत्काया इति प्रतिश्रुत्कायै। चक्रवाक इति चक्र
वाकः॥ २७॥ सौरी। बलाका। शार्गः। सृजयः। शयाण्डक इति शयाण्ड
कः। ते। मैत्राः। सरस्वत्यै। शारिः। पुरुषवागिति पुरुषवाक्। श्वावि
त्। श्वाविदिति श्वा। वित्। भौमी। शार्दूलः। वृकः। पृदाकुः। ते। मन्यवे
सरस्वते। शुकः। पुरुषवागिति पुरुषवाक्॥ २८॥ सुपर्ण इति सु
पर्णः। पार्जन्यः। आतिः। वाहसः। दर्विदेति दर्वि। दा। ते। वायवे। बृ
हस्पतये। वाचः। पतये। पैङ्गराज इति पैङ्ग। राजः। अलजः। आन्तरिक्षः

पृथुवः। मद्गुः। मत्स्यः। ते। नदीपत यइति नदी। पतयो। व्याघ्रा। पृथिवीयः। द्रु
मेः॥३९॥ पुरुषमृगइति पुरुषा। मृगः। चंद्रमसः। गोधा। कालका। दार्वा
घाटः। दार्वाघात इति दारुं। आघातः। ते। वनस्पतीनां। हंसश्वेतक्षि
घाटः। दार्वाघात इति दारुं। आघातः। ते। मकरः। कुलीपयः। तेषां
लकाः। साविता। सावित्रः। हरंसः। गतेस्य। नीक्रः। मकरः। कुलीपयः। तेम्
जूपारस्य। द्वितीयो। नाल्पकः॥४०॥ दार्वी। अजः। मण्डूकः। मृषिका। कि
लिदिः। सर्पाणाम्। मालोपात्रः। आश्विनः। हलहेतुः। राजी। मत्स्यः। जतु
सुपिलीकेति सुषिलीका। ते। इतरजनानाम्। मिनीतराजानाम्। राजं
हकाः। वैल्गवी॥४१॥ अन्यवापइत्यन्या। वापश्च। अर्द्धमासानां मित्य
हेः। मासानाम्। मार्कंडेयः। मयूरः। सुपर्णा इति सु। पर्णाः। ते। गंधर्वा
हे। मासानाम्। मार्कंडेयपः। रोहितः। कुंडः। प्राची। गोलनिका।
कः। अपामवदुः। मासानाम्। मार्कंडेयपः।

ते। अप्सरसाम्। मृगाः। सर्वे। असितः॥ वर्षाहूः। गिरवः। आहुः। द्रु
मा। आखुः। कशः। मोथालुः। तेपि। लूतानाम्। वृक्षाय। अजगरः। वसूनां
मा। कपिञ्जलः। कपोतः। उल्लूकः। शशाः। ते। निर्ऋत्याइति निः। रौद्र
नामाया। आरण्यः। मेषः॥४२॥ अश्विनः। आदित्यानाम्। मणुडूकः। वि
नाघ्राणिवानिति घ्राणि। वायुः। वाहिनिसः। ते। मित्रे। अरण्याय। सर
रः। गृतः। रौद्रः। वृषिः। कुटरुः। दात्यौहः। ते। वाजिनाम्। कामाया। पि
कः॥४३॥ खड्गः। वैश्वदेव इति वैश्वादेवः। श्वा। कृष्णः। कर्णः। गर्द
भः। तरक्षुः। रक्षसाम्। इंद्राय। सूकरः। सिंहः। मारुतेः। कृक
लासः। पिप्पका। शकुनिः। ते। शरव्यायै। विश्वेषाम्। देवानाम्।
पृषतः॥४४॥ ॥२॥ इति षष्ठविंशतितमोऽध्यायः॥२६॥

१२१४५१

ॐ मू॥ शादम्। दद्भिरिति दत्ऽभिः। अवकाम्। दन्तमूलैरिति दन्तऽमू
लैः। मृदम्। बर्स्वैः। तेगान्। दंष्ट्राभ्याम्। सरस्वत्यै। अग्रजिह्वमि
त्यग्रऽजिह्वम्। जिह्वायाः। उत्सादमित्युत्ऽसादम्। अवक्रन्दे
न। तालु। वाजम्। हनुभ्यामिति हनुऽभ्याम्। अपः। आस्येन। वृषण
म्। आण्डाभ्याम्॥ १०॥ आदित्यान्। श्मश्रुभिरिति श्मश्रुऽभिः। पन्था
नम्। भ्रूभ्याम्। द्यावापृथिवी इति द्यावापृथिवी। वर्त्तोभ्यामिति व
र्त्तःऽभ्याम्। विद्युतमिति विऽद्युतम्। कनीनकाभ्याम्। शुक्लाय। स्वा
हा। कृष्णाय। स्वाहा। पार्याणि। पक्ष्माणि। अवार्याः। इक्षवः। अवा
र्याणि। पक्ष्माणि। पार्याः। इक्षवः॥ ११॥ वातम्। प्राणेन। अपाने
नेन। नासिके इति नासिके॥ उपयाममित्युपऽयामम्। अधरेण।

सोमऽसुत इति सोमऽसुतः। मयोभुव इति मयःऽभुवः। तत्। अश्वि
ना। शृणुतम्। धिष्ण्या। युवम्॥ १९॥ तम्। ईशानम्। जगतः।
तस्थुषः। पतिम्। धियम्ऽजिन्वमिति धियम्ऽजिन्वम्। अवसे। हू
महे। वयम्। पूषा। नः। यथा। वेदसाम्। असत्। वृधे। रक्षि
ता। पायुः। अदब्धः। स्वस्तये॥ २०॥ स्वस्ति। नः। इन्द्रः। वृद्धश्रवा इ
ति वृद्धऽश्रवाः। स्वस्ति। नः। पूषा। विश्ववेदा इति विश्वऽवेदाः॥ स्व
स्ति। नः। तार्क्ष्यः। अरिष्टनेमिरित्यरिष्टऽनेमिः। स्वस्ति। नः। बृ
हस्पतिः। दधातु॥ २१॥ पृषदश्वा इति पृषत्ऽअश्वाः। मरुतः॥

धे।अस्मिन्।अप्रोयुव इत्यप्र।आयुवः।रक्षितारः।दिवेदिव इति दिवे
दिवे॥१६॥ देवानाम्।भद्रा।सुमतिरिति सुमतिः।ऋजूयताम्।ऋ
जुयतामित्यृजुयताम्।देवानाम्।रातिः।अभि।नः।नि।वर्त्तता
म्।देवानाम्।सख्यम्।उप।सेदिम।वयम्।देवाः।नः।आयुः।प्र।
तिरंतु।जीवसे॥१७॥तान्।पूर्वया।निविदेति नि।विदा।हूमहे।वय
म्।भगम्।मित्रम्।अदितिम्।दक्षम्।अस्रिधम्।अर्यमणम्।
वरुणम्।सोमम्।अश्विना।सरस्वती।नः।सुभगेति सु।भगा।म
यः।करत्॥१८॥तत्।नः।वातः।मयोभ्विति मयः।भु।वातु।भे
षजम्।तत्।माता।पृथिवी।तत्।पिता।द्यौः।तत्।ग्रावाणः।

२६

तिमहि।त्वा।यस्य।समुद्रम्।रसया।सह।आहुः।यस्य।इमाः।
प्रदिश इति प्र।दिशः।यस्य।बाहू इति बाहू।कस्मै।देवाय।
हविषा।विधेम॥१४॥यः।आत्मदा इत्यात्म।दाः।बलदा इति
बल।दाः।यस्य।विश्वे।उपासत इत्युप।आसते।प्रशिषमि
ति प्र।शिषम्।यस्य।देवाः।यस्य।छाया।अमृतम्।यस्य।
मृत्युः।कस्मै।देवाय।हविषा।विधेम॥१५॥आ।नः।भद्राः।
क्रतवः।यंतु।विश्वतः।अदब्धासः।अपरीतास इत्यपरि।इ
तासः।उद्भिद इत्युत्।भिदः।देवाः।नः।यथा।सदम्।इत्।वृ

मतस्नाभ्याम्। दिवम्। वृक्काभ्याम्। गिरीन्। प्लाशिभिरिति प्लाशि
ऽभिः। उपलान्। प्लीह्ना। वल्मीकान्। क्लोमभिरिति क्लोमऽभिः। ग्लौभिः।
गुल्मान्। हिराभिः। स्रवन्तीः। ह्रदान्। कुक्षिभ्यामिति कुक्षिऽभ्याम्।
समुद्रम्। उदरेण। वैश्वानरम्। भस्मना॥१२॥ विधृतिमिति वि
ऽधृतिम्। नाभ्या। घृतम्। रसेन। अपः। यूष्णा। मरीचीः। विप्रुड्भिरिति विप्रु
ट्ऽभिः। नीहारम्। ऊष्मणा। शीनम्। वसया। प्रुष्वाः।
अश्रुभिरित्यश्रुऽभिः। ह्रादुनीः। दूषीकाभिः। अस्ना। रक्षांसि। चित्राणि। अङ्गैः। नक्षत्राणि। रूपेण। पृथिवीम्। त्वचा। जुम्ब
काय। स्वाहा॥१३॥ यस्य। इमे। हिमवन्त इति हिमऽवन्तः। महि

कृतौ। श्रोणिभ्याम्। आक्रमणमित्याऽक्रमणम्। स्थूराभ्याम्। ऋ
क्षलाभिः। कुष्ठाभ्याम्॥९॥ पूषणम्। वनिष्ठुना। अन्धाहीनित्यन्धऽ
अहीन्। स्थूलगुदयेति स्थूलऽगुदया। सर्पान्। गुदाभिः। विहृत
इति विऽहृतः। आन्त्रैः। अपः। वस्तिना। वृषणम्। आण्डाभ्याम्। वाजि
नम्। शेपेन। प्रजामिति प्रऽजाम्। रेतसा। चाषान्। पित्तेन। प्रद
रानिति प्रऽदरान्। पायुना। कूश्मान्। शकपिण्डैरिति शकऽपिण्डैः।
॥१०॥ इन्द्रस्य। क्रोडः। अदित्यै। पाजस्यम्। दिशाम्। जत्रवः। अदि
त्यै। भसत्। जीमूतान्। हृदयौपशेनेति हृदयऽऔपशेन। अन्तरिक्षम्। पुरीतता। पुरि
ततेति पुरिऽतता॥११॥ नभः। उदर्येण। चक्रवाकाविति चक्रऽवाकौ।

वरुणस्य। द्वादशी। यमस्य। त्रयोदशी। मित्रयः। दशमी॥ ७॥ इंद्राग्न्योः।
पक्षतिः। सरस्वत्यै। निपक्षतिरिति निपक्षतिः। मित्रस्य। तृतीया।
सोमस्य। चतुर्थी। निर्ऋत्या इति निर्ऋत्यै। पंचमी। अग्नीषोमयोः।
षष्ठी। सर्प्पाणाम्। सप्तमी। विष्णोः। अष्टमी। पूष्णः। नवमी। त्वष्टुः। दश-
मी। इंद्रस्य। एकादशी। वरुणस्य। द्वादशी। यमस्य। त्रयोदशी। मित्रयः।
दशी। द्यावापृथिव्योः। दक्षिणम्। पार्श्वम्। विश्वेषाम्। देवानाम्। उ-
त्तरम्॥ ८॥ मरुताम्। स्कंधाः। विश्वेषाम्। देवानाम्। प्रथमा। कीक-
साः। रुद्राणाम्। द्वितीया। आदित्यानाम्। तृतीया। वायोः। पुच्छम्।
अग्नीषोमयोः। भासदौ। कुंचौ। श्रोणिभ्यामिति श्रोणि। भ्याम्।
इंद्राबृहस्पती इंद्राबृहस्पती। ऊरुभ्यामिति ऊरुभ्याम्। मित्राव-

अपस्या। वहेन। बृहस्पतिम्। शकुनिसादेन। शकुनिसादेन।
कूर्मान्। शफैः। आक्रमणमिति आक्रमणम्। स्थूराभ्याम्। ऋक्ष-
लाभिः। कपिंजलान्। जवम्। जंघाभ्याम्। अध्वानम्।
बाहुभ्यामिति बाहुभ्याम्। जांबीलेन। अरण्यम्। अग्निम्। अति-
रुग्भ्यामित्यतिरुग्भ्याम्। पूषणम्। दोर्भ्यामिति दोः। भ्याम्।
३९ अश्विनौ। अंसाभ्याम्। रुद्रम्। रोराभ्याम्॥ ९॥ अग्नेः। पक्ष-
तिः। वायोः। निपक्षतिरिति निपक्षतिः। इंद्रस्य। तृतीया। अपाम्।
चतुर्थी। अदित्यै। पंचमी। इंद्राण्यै। षष्ठी। मरुताम्। सप्तमी। बृह-
स्पतेः। अष्टमी। अर्यम्णः। नवमी। धातुः। दशमी। इंद्रस्य। एकादशी।

ऽ षेन। सुतस्थु तरेणे स्कृत। नरेणा। प्रकाशेनेति प्रकाशेन। अंतरम्।
अनूकाशेन। अनुकाशेनेत्यनु। काशेन। बाल स्मा निरे ष्यामितिन्नि।
वे ष्य स्मा। मूर्धा। स्तनयित्नु स्मा। निर्बाधेनेति निः। बाधेन। अश्नानि।
मुष्टि क्षेला। विद्युतमिति वि। द्युत स्मा। कनीकनत्। अश्या स्मा। आ। कृता
च्यामा। ओ-च स्मा-चो ओश्यामा। कर्णौ। नेदनी स्मा। अधरकंठेनेय
च रा। कंठेन। अपः। शुष्ककंठेनेति शुष्क। कंठेन। चित्त स्मा। मन्या। भि
अदिति स्मा। शीर्ष्णा। निर्ऋतिमिति निः। ऋति स्मा। निर्जर्जल्येनेति
निः। जर्जल्येन। शीर्ष्णा। संक्रोशैरिति सं। क्रोशैः। प्राणान्
रेक्ष्णा तस्मा। स्तूपेन। १॥ मरुतां क्रोधं। केशैः। इंद्रं स्मा। स्वपसेति स्व

श्निमातरः इति पृश्नि। मातरः। शुभंयावान इति शुभं। यावानः।
विदथेषु। जग्मयः। अग्निजिह्वा इत्यग्नि। जिह्वाः। मनवः।
सूरचक्षस इति सूर। चक्षसः। विश्वे। नः। देवाः। अवसा। आ।
गमन्। इह॥२२॥ भद्रं। कर्णेभिः। शृणुयाम। देवाः। भद्रं।
पश्येम। अक्षभिः। यजत्राः। स्थिरैः। अंगैः। तुष्टु
वांसः। तुष्टुवांस इति तुष्टुवांसः। तनूभिः। वि। अशे
म। देवहितमिति देव। हितं। यत्। आयुः॥२३॥ शतं। इत्।
नु। शरदः। अंति। देवाः। यत्र। नः। चक्र। जरसं। तनू
नां। पुत्रासः। यत्र। पितरः। भवंति। मा। नः। मध्या। रीरिषत।

।रिरिषतेति रिरिषत । आयुः । गंतोः ॥२४॥ अदितिः । द्यौः । अदितिः ।
अंतरिक्षम् । अदितिः । माता । सः । पिता । सः । पुत्रः । विश्वे । देवाः । अ
दितिः । पंच । जनाः । अदितिः । माता । सः । पिता । सः । पुत्रः । विश्वे ।
देवाः । अदितिः । पंच । जनाः । अदितिः । जातम् । अदितिः । जनि
त्वमिति जनित्वम् ॥२५॥ मा । नः । मित्रः । वरुणः । अर्यमा ।
आयुः । इंद्रः । ऋभुक्षाः । मरुतः । परि । ख्यन् । यत् । वाजिनः । देव
जातस्येति देवऽजातस्य । सप्तेः । प्रवक्ष्याम इति प्रऽवक्ष्यामः ।
विदथे । वीर्याणि ॥२६॥ यत् । निर्णिजा । निर्णिजेति निःऽनिजा ।
रेक्णसा । प्रावृतस्य । रातिम् । गृभीताम् । मुखतः । नयंति । सुप्रा

ङिति सुऽप्राङ् । अजः । मेम्यत् । विश्वरूप इति विश्वऽरूपः । इंद्रापू
ष्णोः । प्रियम् । अपि । एति । पाथः ॥२७॥ एषः । छागः । पुरः । अश्वे
नी न । वाजिना । पूष्णः । भागः । नीयते । विश्वदेव्य इति विश्वऽदेव्यः ।
अभिप्रियमित्यभिऽप्रियम् । यत् । पुरोळाशम् । अर्वता । त्वष्टा ।
इत् । एनम् । सौश्रवसाय । जिन्वति ॥२८॥ यत् । हविष्यम् । ऋतु
ऽशः । देवयानमिति देवऽयानम् । त्रिः । मानुषाः । परि ।
अश्वम् । नयंति । अत्र । पूष्णः । प्रथमः । भागः । एति । यज्ञम् ।
देवेभ्यः । प्रतिवेदयन्निति प्रतिऽवेदयन् । अजः ॥२९॥ होता । अध्व
र्युः । आवया इत्याऽवयाः । अग्निमिंध इत्यग्निऽमिंधः । ग्रावग्रा

भ इति ग्राव ऽ ग्राभः । उत । शंस्ता । सुविप्र इति सु ऽ विप्रः । तेन ।
यज्ञेन । स्वरं कृतेनेति स्वरं ऽ कृतेन । स्विष्टेनेति सु ऽ इष्टेन । वक्ष
णाः । आ । पृणध्वम् ॥ ५ ॥ यूपव्रस्का इति यूप ऽ व्रस्काः । उत । ये । यू
पवाहा इति यूप ऽ वाहाः । चषालम् । ये । अश्वयूपायेत्यश्व ऽ यूपाय ।
तक्षति । ये । च । अर्वते । पचनम् । संभरंतीति सम् ऽ भरंति । उ
तो इति । तेषाम् । अभिगूर्तिरित्यभि ऽ गूर्तिः । नः । इन्वतु ॥ ६ ॥
उप । प्र । अगात् । सुमदिति सु ऽ मत् । मे । अधायि । मन्म । देवा
नाम् । आशाः । उप । वीतपृष्ठ इति वीत ऽ पृष्ठः । अनु । एनम् । विप्राः ।
ऋषयः । मदंति । देवानाम् । पुष्टे । चकृम । सुबंधुमिति सु । बंधुम् ॥ ७ ॥

यत् । वाजिनः । दाम । संदानमिति सम् ऽ दानम् । अर्वतः । या । शीर्षण्या । रशना ।
रज्जुः । अस्य । यत् । वा । घ । अस्य । प्रभृतमिति प्र ऽ भृतम् । आस्ये । तृणम् । स
र्वा । ता । ते । अपि । देवेषु । अस्तु ॥ ८ ॥ यत् । अश्वस्य । क्रविषः । मक्षिका । आ
श । यत् । वा । स्वरौ । स्वधिताविति स्व ऽ धितौ । रिप्तम् । अस्ति । यत् । हस्तयोः । श
मितुः । यत् । नखेषु । सर्वा । ता । ते । अपि । देवेषु । अस्तु ॥ ९ ॥ यत् । ऊवध्यम् ।
उदरस्य । अपवातीत्यप ऽ वाति । यः । आमस्य । क्रविषः । गंधः । अस्ति । सु
कृतेति सु ऽ कृता । तत् । शमितारः । कृण्वंतु । उत । मेधम् । शृतपाकमिति शृत ऽ
पाकम् । पचंतु ॥ १० ॥ यत् । ते । गात्रात् । अग्निना । पच्यमानात् । अभि
शूलम् । निहतस्येति नि ऽ हतस्य । अवधावतीत्यव ऽ धावति । मा ।

२६०

५५

तत्। भूम्याम्। आ। श्रिषत्। मा। तृणेषु। देवेभ्यः। तत्। उशत्ऽभ्यः इत्युशत्ऽभ्यः। रातम्। अस्तु ॥११॥ ये। वाजिनम्। परिऽपश्यंतीति परिऽपश्यंति। पक्वम्। ये। ईम्। आहुः। सुरभिः। निः। हर। इति। ये। च। अर्वतः। मांसऽभिक्षामिति मांसऽभिक्षाम्। उपऽआसते। उतो इत्युतो। तेषाम्। अभिगूर्तिरित्यभिऽगूर्तिः। नः। इन्वतु ॥१२॥ यत्। नीक्षणमिति निऽईक्षणम्। मांस्पचन्याः। उखायाः। या। पात्राणि। यूष्णः। आसेचनानीत्याऽसेचनानि। ऊष्मण्या। अपिधानेत्यपिऽधाना। चरूणाम्। अंकाः। सूनाः। परि। भूषंति। अश्वम् ॥१३॥ मा। त्वा। अग्निः। ध्वनयीत्। धूमगंधिरिति धूमऽगंधिः। मा। उखा। भ्राजंती। अभि। विक्त।

॥ इष्टम्। वीतम्। अभिऽगूर्तम्। वषट्ऽकृतम्।
तम्। देवासः। प्रति। गृभ्णंति। अश्वम् ॥१४॥ निऽक्रमणम्।
निऽसदनमिति निऽसदनम्। विऽवर्तनमिति
विऽवर्त्तनम्। यत्। च। पड्बीशम्। अर्वतः। यत्। च। पपौ। यत्।
च। घासिम्। जघास। सर्वा। ता। ते। अपि। देवेषु। अस्तु ॥१५॥ यत्।
अश्वाय। वासः। उपऽस्तृणंति। अधीवासम्।
या। हिरण्यानि। अस्मै। संदानमिति सम्ऽदानम्। अर्वंतम्। पड्बीशम्।
प्रिया। देवेषु। आ। यामयंति। यमयंतीति यमयंति।
... भुवना। सोमऽधामा। सासुधामेति सा सधामा। ...

श्वे। च। देवाः। आदित्यैः। इन्द्रः। सगण इति सऽगणः। मरुद्भिरिति मरुत्ऽ
भिः। अस्मभ्यम्। भेषजा। करत्॥ यज्ञम्। च। नः। तन्वम्। च। प्रजाम्
इति प्रऽजाम्। च। आदित्यैः। इन्द्रः। सगण इति सऽगणः। मरुद्भिरिति
मरुत्ऽभिः। अस्मभ्यम्। भेषजा। करत्। यज्ञम्। च। नः। तन्वम्। च।
प्रजामिति प्रऽजाम्। च। आदित्यैः। इन्द्रः। सह। सीषधाति। सीषधाती
ति सीषधाति ॥ ४७ ॥ इति सप्तविंशतिमो ध्यायः ॥ ॥
॥ हरिः ॐ ॥ अग्निः। च। पृथिवी। च। सन्नते इति सम्
नते। ते इति ते। मे। सम्। नमताम्। अदः। वायुः। च। अन्
तरिक्षम्। आदित्यः। द्यौः। आपः। वरुणः॥ सप्त। संसद इति सम्ऽसदः।
अष्टमी। भूतसाधनीति भूतऽसाधनी। सकामानिति सऽकामान्। अध्व

नः। कुरु। संज्ञानमिति सम्ऽज्ञानम्। अस्तु। मे। अमुना ॥ १ ॥ यथा। इ
माम्। वाचम्। कल्याणीम्। आवदानीत्याऽवदानि। जनेभ्यः ॥ ब्रह्मराजन्
याभ्याम्। शूद्राय। च। अर्याय। स्वाय। अरणाय। प्रियः। देवानाम्। दक्षि
णायै। दातुः। इह। भूयासम्। अयम्। मे। कामः। सम्। ऋध्यताम्।
उप। मा। अदः। नमतु ॥ २ ॥ बृहस्पते। अति। यत्। अर्यः। अर्हात्। द्यु
मदिति द्युऽमत्। विभातीति विऽभाति। क्रतुमदिति क्रतुऽमत्। जनेषु।
यत्। दीदयत्। शवसा। ऋतप्रजातेत्यृतऽप्रजात। तत्। अस्मासु।
द्रविणम्। धेहि। चित्रम्। बृहस्पतये। त्वा। एषः। ते। योनिः। बृहस्प
तये। त्वा ॥ ४ ॥ इन्द्र। गोमन्निति गोऽमन्। इह। आ। याहि। पिब। सोम
म्। शतक्रतो इति शतऽक्रतो। विद्यद्भिरिति विद्यत्ऽभिः। ग्रावभिः। सुतम्।

इति सा वा भिः। उत स्मै इंद्राय त्वा। गोमत इति गोमते। इन्द्रे ...
नः। इंद्राय त्वा। गोमत इति गोमते॥८॥ ऋतावानम्। ऋत वान
म् ऋतावानम्। वैश्वानरम्। ऋतस्य। ज्योतिषः। पतिम्। अज
स्रम्। घर्मम्। ईमहे। वैश्वानराय। त्वा। एषः। ते। योनिः। वैश्वान
राय त्वा॥९॥ वैश्वानरस्य हवामहे। ऋतस्य। ज्योतिषः। पतिम्।
अजस्रम्। घर्मम्। ईमहे॥ ॥ अग्निः। उक्थेन। ... ॥ ...
...रस्य। सुमता इति सुमतौ। स्याम। राज्ञः। हि कम्। भुवना...
...भिश्रीः। इतः। जातः। विश्वम्। इदम्। विचष्टे ...
... यैतो ॥ मरुत्वान्। इन्द्र ...

पिब। सोमम्। अनु ... अनु स्वधाम्। ...
सिञ्च त्वा जठरे। मध्वः। ऊर्मिम्। त्वम्। राजा ... पतिः ...
...पतिः पतिः। सुतानाम्॥१०॥ महान्। इन्द्रः। वज्रहस्तः इति वज्र।
हस्तः। षोडशी। शर्म। यच्छतु। हन्तु। पाप्मानम्। यः। अस्मान्। द्वे
ष्टि॥ अग्निः। ऋषिः। पवमानः। पाञ्चजन्य इति पाञ्च जन्यः। पु
रोहित इति पुरः हितः। तम्। ईमहे। महागयम् इति महा गयम्॥
॥१२॥ अनु। वीरैः। अनु। पुष्यास्म। गोभिः। अश्वैः। सर्वेण। पुष्टैः
द्विपदा इति द्वि पदा। चतुष्पदा। चतुष्पदा इति चतुः पदा। वयम्। ...
नः। ... ऋतुथा। नयन्तु ॥१३॥ आ। नः। गोभिः। ...

गोपत इति गोऽपते ।। गाः । सम् । अस्मभ्यम् । सनयः । येनु । बोना

वक्षाः । असि । स्वः । प्रभास सत्यशुष्म इति सत्यऽशुष्मः । अस्मभ्यम् । रा

यवन्निति मघवन् । बोधि । गोदा इति गोऽदाः ।। १४ ।। ...

इति अष्टाविंशतितमोऽध्यायः ।। हरिः ॐ ।। समाः । त्वा

अग्ने । ऋतवः । वर्धयन्तु । संवत्सराः । ऋषयः । यानि । सत्या । सम्

दिव्येन । दीदिहि । रोचनेन । विश्वाः । आ । भाहि । प्रदिश इति प्रऽदिशः

चतस्रः ।। १ ।। सम् । च । इध्यस्व । अग्ने । प्र । च । बोधय । एनम् । उत् । च ।

तिष्ठ । महते । सौभगाय । मा । च । रिषत् । उपसत्तेत्युपऽसत्ता । ते । अग्ने ।

ब्रह्माणः । ते । यशसः । सन्तु । मा । अन्ये ।। २ ।। त्वाम् । अग्ने । वृ

।। ३ ।। इमे । श्रावः । अग्नेः । संवरण इति सम्ऽवरणः । मेनुः । अन्नः । सपत्नहेति सपत्न-

हा । नः । अभिमातिजिदित्यभिमातिऽजित् । जनुः । च । स्वे । क्षये । गये । जागृहि । अप्र-

युच्छन्नित्यप्रऽयुच्छन् ।। ३ ।। इह । एव । अग्ने । अधि । धारय । रयिम् । मा । त्वा ।

नि । क्रन् । पूर्वचित इति पूर्वऽचितः । निकारिण इति निऽकारिणः । क्षत्रम् । अ-

ग्ने । सुयममिति सुऽयमम् । अस्तु । तुभ्यम् । उपसत्तेत्युपऽसत्ता । वर्धताम् । ते । अ-

निष्टृतः । अनिस्तृत इत्यनिऽस्तृतः ।। ४ ।। क्षत्रेण । अग्ने ।

स्वायुरिति सुऽआयुः । सम् । रभस्व । मित्रेण । अग्ने । मित्रधेय इति

मित्रऽधेये । यतस्व । सजातानामिति सऽजातानाम् । मध्यमस्था इति

मध्यमऽस्थाः । एधि । राज्ञाम् । अग्ने । विहव्य इति विऽहव्यः । दीदिहि । इह ।।

अग्निः। निःहः। अग्निः। स्निधः। अग्निः। अचित्तिम्। अग्निः। अरातिम्। अग्ने
विश्वा। हि। अग्ने। दुःइते। इति। दुःइता। सह। स्व। अथ। अग्ने। सिध्य। ...
मिति। सह। वीरम्। रयिम्। मा। दः॥६॥ अन्नाधध्यः। जातवेदाः। ...
ताः। अग्नि। स्तुतः। अग्निः। स्तनइत्नुमान्। स्तनः। विराट्। तिवि। राट्। अग्नि
... दितिः। ... विश्याः। आरोहः। प्रभुं। चन्ति। ...
चन्द्रा। मानुषीः। विश्यः। त्रि। वा। धिः। अग्न। पाः। परि। पाहि। नः। इषे। ...
२ हस्पते। सवितः। बोधय। एनम्। सम्। शिशानम्। इति। सम्। शितनम्
चित्। सं। तरा। मिति। सम्। तरा। सम्। शिशाधि। वर्हय। एनम्।

महते। सौभगाय। विश्वे। एनम्। अनु। मदन्तु। देवाः॥८॥ अमुत्र। भूया
त्। अस्य। पुत्रम्। भूयात्। उ। अध। यत्। यमस्य। बृहस्पते। अभिशस्तेः। इत्
अभि। शस्तेः। अमुञ्चः। प्रति। औहताम्। अश्विना। मृत्युम्। अस्मात्। अस्मा
देवानाम्। अग्ने। भिषजा। शचीभिः॥९॥ उद्धर्षः। अस्य। अभिभू
त्तिसम्। इधः। भवन्ति। उत्। धर्षः। भुक्ता। ... अग्नेः। द्युमत्तमे
ति। द्युमत्। तमा। सुप्रतीकस्य। इति। सु। प्रतीकस्य। सूनोः॥१०॥ तनून
पात्। असुरः। विश्ववेदाः। इति। विश्व। वेदाः। देवः।
पात्। इति। तनू। नपात्। अनक्तु। मध्वा। घृतेन॥११॥ मध्वा। यज्ञम्। नक्ष
देवेषु। देवः। पथः। अनक्तु।

नक्षसे। प्रीणानः। नराशंसः। अग्ने। सुकृत् इति सु। कृत्। देवः। सवि
विश्ववार इति विश्व। वार। विश्ववारः॥१२॥ अर्चा। अयम्। एति। न
सा। घृतेन। ईळानः। वह्निः। नमसा। अग्निम्। स्रुचः। अध्वरेषु। प्र
यस्वति प्रयस्वती। सु॥१३॥ सः। यक्षत्। अस्य। महिमानम्। अग्नेः। सः।
ईम्। मंद्रासु। प्रयसः इति सु। प्रयसः। वसुः। चेतिष्ठः। वसुधातम इ
ति वसु। धातमः। च॥१४॥ द्वारः। देवीः। अनु। अस्य। विश्वे। व्रताः। द
दते। अग्नेः। उरुव्यचस इत्युरु। व्यचसः। धाम्ना। पत्यमानाः॥१५॥
ते इति ते। अस्य। योषणे इति योषणे। दिव्ये इति दिव्ये। न। योनौ। उ
षासानक्ता। उषसानक्तेत्युषसा। नक्ता। इमम्। यज्ञम्। अवताम्। अ

६०

ध्वरम्। नः॥१६॥ दैव्या। होतारा। ऊर्ध्वम्। अध्वरम्। नः। अग्नेः। जि
ह्वाम्। अभि। गृणीतम्। कृणुतम्। नः। स्विष्टिम् इति सु। इष्टिम्॥१७॥
तिस्रः। देवीः। बर्हिः। आ। इदम्। सदन्तु। इळा। सरस्वती। भारती। म
ही। गृणाना॥१८॥ तत्। नः। तुरीपम्। अद्भुतम्। पुरुक्षु। त्वष्टा। सु
वीरम् इति सु। वीरम्। रायः। पोषम्। वि। स्यतु। नाभिम्। अस्मे इत्य
स्मे॥१९॥ वनस्पते। अव। सृज। रराणः। त्मना। देवेषु। अग्निः। हव्य
म्। शमिता। सूदयाति॥२०॥ अग्ने। स्वाहा। कृणुहि। जातवेदः इति
जात। वेदः। इन्द्राय। हव्यम्। विश्वे। देवाः। हविः। इदम्। जुषन्ताम्
॥२१॥ पीवोअन्नान् इति पीवः। अन्नान्। रयिवृध इति रयि। वृधः।

सुमेधा इति सुऽमेधाः । श्वेतः । सिसक्ति । सिसक्ति । नियुत्

मिति नियुत्ऽमान् । अभिश्रीः इति अभिऽश्रीः । ते । वायवे । समनसः इ

ति सऽमनसः । वितस्थुः । विश्वा । इत् । नरः । स्वपत्यानीति सुऽअ

पत्यानि । चक्रुः ॥ २२ ॥ राये । नु । यम् । जज्ञतुः । रोदसी इति रोदसी

इमे इतीमे । राये । देवी । धिषणा । धाति । देवम् । अध । वायुम् । नि

युत इति निऽयुतः । सश्चत । स्वाः । उत । श्वेतम् । वसुधितिम् इति वसु

सुऽधितिम् । निरेके ॥ २३ ॥ वायुः । अग्रेगा इत्यग्रेऽगाः । यज्ञ

प्रीरिति यज्ञऽप्रीः । साकम् । गन् । मनसा । यज्ञम् । शिवः । नि

युद्भिरिति नियुत्ऽभिः । शिवाभिः ॥ २४ ॥ प्र । याभिः । यासि

दाश्वांसम् अच्छ । नियुद्भिरिति नियुत्ऽभिः । वायो इति वायो । इष्टये । दुरोणे । नि

नः । रयिम् । सुभोजसमिति सुऽभोजसम् । युवस्व । नि । वीरऽवत् । गव्यम्

अश्व्यम् । च । राधः ॥ २५ ॥ वायो इति वायो । ये । ते । सहस्रिणः । रथासः

तेभिः । आ । गहि । नियुत्वान् । सोमपीतय इति सोमऽपीतये ॥ २६ ॥ ए

कया । च । दशभिरिति दशऽभिः । च । स्वभूते इति स्वऽभूते । द्वाभ्याम् । इष्टये

विंशती । च । तिसृभिरिति तिसृऽभिः । च । वहसे । त्रिंशता । च । नियु

द्भिरिति नियुत्ऽभिः । वायो इति वायो । इह । ता । वि । मुंच ॥ २७ ॥ नियुत्वान्

वायो इति वायो । आ । गहि । अयम् । शुक्रः । अयामि । ते । गंता । असि । सु

न्वतः । गृहम् ॥ २८ ॥ वायो इति वायो । शुक्रः । अयामि । ते । मध्वः

अग्रम्। दिविष्टिषु। आ। याहि। सोमपीतय इति सोम। पीतये। स्पार्हः।
देव। नियुत्वता।।३०।। आ। नः। नियुद्भिरिति नियुत्। भिः। शतिनी
भिः। अध्वरम्। सहस्रिणीभिः। उप। याहि। यज्ञम्। वायो इति वायो। अ
स्मिन्। सवने। मादयस्व। यूयम्। पात। स्वस्तिभिरिति स्वस्ति। भिः। स
दा। नः।।३१।। तव। वायो इति वायो। ऋतस्पते। ऋतपत इत्यृत। प
ते। त्वष्टुः। जामातः। अद्भुत। अवांसि। आ। वृणीमहे।।३२।। येन। द्यौः।
उग्रा। पृथिवी। च। दृढा। येन। स्वरिति स्वः। स्तभितम्। येन। नाकः।
यः। अन्तरिक्षे। रजसः। विमान इति वि। मानः। कस्मै। देवाय।
हविषा। विधेम।।३३।। यम्। क्रन्दसी इति क्रन्दसी। अवसा। तस्तभा

नेइति तस्तभाने। अभि। ऐक्षेताम्। मनसा। रेजमाने इति रेजमा
ने। यत्र। अधि। सूरः। उदित इत्युत्। इतः। विभातीति वि। भाति।।
आपः। ह। यत्। बृहतीः। विश्वम्। आयन्। गर्भम्। दधानाः। जनयं
तीः। अग्निम्। ततः। देवानाम्। सम्। अवर्तत। असुः। एकः।।३४।।
यः। चित्। आपः। महिना। पर्यपश्यदिति परि। अपश्यत्। दक्षम्।
दधानाः। जनयन्तीः। यज्ञम्। यः। देवेषु। अधि। देवः। एकः। आसी
त्। नः। जजान। बृहतीः। जजान। विश्वा। जातानि।।३५।। अभि। त्वा।
शूर। नोनुमः। अदुग्धाइवेत्यदुग्धाः। इव। धेनवः। ईशानम्। अस्य।
जगतः। स्वर्दृशमिति स्वः। दृशम्। ईशानम्। इन्द्र। तस्थुषः।।३६।। न। त्वा
वानिति त्वा। वान्। अन्यः। दिव्यः। न। पार्थिवः। न। जातः। न। जनिष्यते।

अभ्या यंतः। अभ्यऽयंतः इत्यभ्याऽयंतः। प्रऽयंतमिति प्रऽयावन्। इंद्र। वाजिन
गव्यंतः। त्वा। हवामहे॥ २॥ त्वाम्। इत्। हि। हवामहे। साता। वाजस्य। का
रवः। त्वाम्। वृत्रेषु। इंद्र। सत्ऽपतिमिति सत्ऽपतिम्। नरः। त्वाम्। काष्ठा
स्वर्वतः॥ ३॥ सः। त्वम्। नः। चित्र। वज्रऽहस्तेति वज्रऽहस्त। धृष्णुऽयेति
धृष्णुऽया। महः। स्तवानः। अद्रिऽव इत्यद्रिऽवः। गाम्। अश्वम्। रथ्यम्। इंद्र।
सम्। किर। सत्रा। वाजम्। न। जिग्युषे॥ ४॥ कया। नः। चित्रः। आ। भु
वत्। ऊती। सदाऽवृध इति सदाऽवृधः। सखा। कया। शचिष्ठया। वृता
॥ ५॥ कः। त्वा। सत्यः। मदानाम्। मंहिष्ठः। मत्सत्। अंधसः। दृळ्हा
चित्। आऽरुजे। वसु॥ ६॥ अभि। सु। नः। सखीनाम्। अविता। जरि
तॄणाम्। शतम्। भवासि। ऊतये॥ ७॥ यज्ञाऽयज्ञेति यज्ञाऽयज्ञा। यज्ञा।

वः। अग्नये। गिराऽगिरेति गिराऽगिरा। च। दक्षसे। प्रऽप्र। वयम्। अ
मृतम्। जातऽवेदसमिति जातऽवेदसम्। प्रियम्। मित्रम्। न। शंसिषम्
॥ ८॥ ऊर्जः। नपातम्। सः। हिन। अयम्। अस्मऽयुः। दाशेम। ह
व्यऽदातय इति हव्यऽदातये। भुवत्। वाजेषु। अविता। भुवत्। वृधः। उत। त्राता।
तनूनाम्॥ ९॥ संवत्सरः। असि। परिवत्सर इति परिऽवत्सरः। इदावत्
सरः इतीदाऽवत्सरः। वत्सरः। उषसः। ते। कल्पंताम्। अहोरात्राः। अ
र्धमासाः। मासाः। ऋतवः। संवत्सरः। ते। कल्पताम्। ॥ १०॥ प्रे
त्येति प्रऽइत्यै। एतः। इत्यै। सम्। आऽचः। प्राचः। सारयासु। प्रेष्टि
सुपर्णः॥ चित्या। असि। तया। देवतया। अंगिरस्वत्। ध्रुवः। सीद
इति एकोनत्रिंशत्तमोऽध्यायः॥ ॥ समिधेति ...

इंद्रम्।इडः।पदे।नाभा।पृथिव्याः।अधि।दिवः।वर्ष्मन्।सम्।इध्यते।
ओजिष्ठः।चर्षणीसहाम्।चर्षणीसहामितिचर्षणि।सहाम्।वेतु॥
२त तनूनपातमितितनू।नपातम्।ऊतिभिरित्यूतिभिः।जेतारम्।अपराजि-
तमित्यपराजितम्।इंद्रम्।देवम्।स्वर्विदमितिस्वः।विदम्।पथिभि-
रितिपथि।भिः।मधुमत्तमैरितिमधुमत्।तमैः।नराशंसेन
तेजसा।२।इडाभिः।इंद्रम्।ईळितम्।आजुह्वानमित्याजुह्वानम्।अम-
र्त्यम्।देवः।देवैः।सवीर्य इति सवीर्यः।वज्रहस्त इति वज्र।हस्तः। ।६४
पुरंदर इति पुरम्।दरः।३।बर्हिषि।इंद्रम्।निषद्वरम्।निसद्वरमि-
तिनिसद्वरम्।वृषभम्।नर्यापसमितिनर्य।अपसम्।

वसुभिरितिवसु।भिः।रुद्रैः।आदित्यैः।सयुग्भिरितिसयुक्।भिः।ब-
र्हिः।आ।असदत्।४।ओजः।न।वीर्यम्।सहः।द्वारः।इंद्रम्।अवर्धयन्।
सुप्रायणाः।सुप्रायणा इति सु।प्रायनाः।अस्मिन्।यज्ञे।वि।श्रयंता-
म्।ऋतावृधः।ऋतवृध इत्यृत।वृधः।द्वारः।इंद्राय।मीढुषे।व्यंतु।
उषे इत्युषे।इंद्रस्य।धेनू इति धेनू।सुदुघे इति सु।दुघे।मातरा।म-
ही इति मही।सवातरा इति स।वातरौ।न।तेजसा।वत्सम्।इंद्रम्।
अवर्धताम्।वीताम्।६।दैव्या।भिषजा।सखाया।हविषा।इंद्रम्।भिष-
ज्यतः।कवी इति कवी।देवौ।प्रचेतसा इति प्र।चेतसौ।इंद्राय।धत्तः।
इंद्रियम्।७।इडा।सरस्वती।भारती।मही।इंद्रपत्नीरितींद्र।पत्नीः।

हविष्मतीः॥८॥त्वष्टारम्। इंद्रम्। देवम्। भिषजम्। सुयजमिति सु।
यजम्। घृतश्रियमिति घृत। श्रियम्। पुरुरूपमिति पुरु। रूप
म्। सुरेतसमिति सु। रेतसम्। मघोनम्॥९॥ धियः। जोष्टारम्। इंद्रि
यम्। समंजन्निति सम्। अंजन्। पथिभिरिति पथि। भिः। सुगे
भिरिति सु। गेभिः। स्वदाति। यज्ञम्। मधुना। घृतेन॥१०॥ इंद्रम्। स्वा
हा। आज्यस्य। मेदसः। स्तोकानाम्। स्वाहाकृतीनामिति स्वाहा। कृती
नाम्। हव्यसूक्तीनामिति हव्य। सूक्तीनाम्। देवाः। आज्यपा इत्या
ज्य। पाः। जुषाणः। इंद्रः। आज्यस्य॥११॥ देवम्। बर्हिः। इंद्रम्। सु
देवमिति सु। देवम्। देवैः। वीरवदिति वीर। वत्। स्तीर्णम्। वेद्याम्।

९५

अवर्द्धयत्। वस्तोः। वृतस्य। प्र। अक्तोः। भृतस्य। राया। बर्हिष्मतः। अति
अगात्॥१२॥ इंद्रम्। संघात इति सम्। घाते। वीड्वीः। यामन्। अव
र्द्धयन्। आ। वत्सेन। तरुणेन। कुमारेण। च। मीवताम्। अप। अर्वाण
म्। रेणुककाटमिति रेणु। ककाटम्। नुदंताम्॥१३॥ उषासानक्ता।
उषसानक्तेत्युषसा। नक्ता। इंद्रम्। यज्ञे। प्रयतीति प्र। यती। अ
ह्नेताम्। देवीः। विशः। प्र। अयासिष्टाम्। सुप्रीते इति सु। प्रीते।
सुधिते इति सु। धिते॥१४॥ वसुधिती इति वसु। धिती। देवम्। इं
द्रम्। अवर्द्धताम्। अयावि। अन्या। अप। बाधा। द्वेषांसि। आ। अन्या
वक्षत्। वसु। वार्याणि। यजमानाय। शिक्षिते इति शिक्षिते॥१५॥

सुदुघे इति सुऽदुघे।पयसा।इषम्।ऊर्ज्जम्।अन्या।वक्षत्।सग्धिम्।
सपीतिमिति सऽपीतिम्।अन्या।नवेन।पूर्वम्।दयमाने इति दयमा
ने।पुराणेन।नमूर्वा।अपीना।तामृ।ऊर्ज्जम्।ऊर्ज्जाहुती इत्यूर्ज्जऽआहुती।
ऊर्ज्जयमाने इत्यूर्ज्जऽयमाने॥१६॥हताघशंसा इति हतऽअघ
शंसौ।आ।आभा।वर्णम्।शोक्षितौ॥१७॥पातम्।इंद्रम्।अवर्द्धय
न्।अस्य।क्षत्त्रम्।भारती।दिवम्।रुद्रैः।यज्ञम्।सरस्वती।इडा।
वसुमतीति वसुऽमती।गृहान्॥१८॥त्रिवरूथ इति त्रिऽवरूथः।
त्रिबंधुर इति त्रिऽबंधुरः।त्रातेन।त्रिपातिष्ठानामिति त्रिऽपाति
ष्ठाना।न।आहित इत्याऽहितः।सहस्रेण।प्रावर्त्तते।मित्रावरुणा।

इन्द्र।अस्य।होत्रम्।अर्हतः।बृहस्पतिः।स्तोत्रम्।अश्विना।आध्वर्यवम्॥१९॥
मधुग्राव इति मधुऽग्रावः।सुपिप्पल इति सुऽपिप्पलः।दिवम्।अग्रेण।अ
स्पृक्षत्।आ।अंतरिक्षम्।पृथिवीम्।अदृंहीत्॥२०॥स्वासस्थमिति सु
आसस्थम्।इंद्रेण।आसन्नमित्याऽसन्नम्।अन्या।बर्हिः।अभि।
अभूत्॥२१॥स्विष्टमिति सुऽइष्टम्।कुर्वन्।स्विष्टकृदिति स्विष्टऽकृ
स्विष्टमिति सुऽइष्टम्।अद्य।करोतु।नः॥२२॥इंद्राय।भागम्।इंद्र
भागेन।अघत्।नमामे।दस्तः।प्रति।पचता।अगृभीत्।अवी
धता।पुरोडाशेन॥२३॥समिधानमिति सम्ऽइधानम्।महत्।
यशाः।सुसमिद्धमिति सुऽसमिद्धम्।वरेण्यम्।अग्निम्।इन्द्रम्।

वयोधसमितिवयः। धसम्। गायत्रीम्। छंदः। इंद्रियम्। त्र्यविमिति।
अविम्। गाम्। वयः। दधत्। दधदिति। तनूनपातमितितनूनपात्। पातम्। दु [illegible] हमि
स्कृतम्। भिदम्। यम्। गर्भम्। अदितिः। दधे। शुचिम्। उक्षिहम्। दित्य
वाहमिति दित्यवाहम्॥२५॥ ईळेन्यम्। ईळितम्। वृत्रहंतममिति

म वृत्रहन्तमम्। इळाभिः। ईड्यम्। सहः। सोमम्। अनुष्टुभम्। अनुष्टु
भमित्यनु। स्तुभम्। पंचाविमिति पंचअविम्॥२६॥ सुबर्हिषमि
ति सु। बर्हिषम्। पूषण्वंतमिति पूषण्ऽवंतम्। अमर्त्यम्। सीदं
तम्। बर्हिषि। प्रिये। अमृता। बृहतीम्। त्रिवत्समिति त्रिवत्सम्।
॥२७॥ व्यचस्वतीः। सुप्रायणाः। सुप्रायणा इति सुप्रायनाः। ऋता

[illegible]धः। ऋतवृध इत्यृत। वृधः। द्वारः। देवीः। हिरण्ययीः। ब्रह्माणम्।
इन्द्रम्। इह। तुर्यवाहमिति तुर्य। वाहम्॥२८॥ सुपेशसेति सु
पेशसा। सुशिल्पे इति सु। शिल्पे। बृहती इति बृहती। उभे इत्युभे। नक्तो
नक्तोषासा। नक्तोषसेतिनक्तोषसा। न। दर्शते इति दर्शते। वि
श्वम्। त्रिष्टुभम्। त्रिस्तुभमितित्रि। स्तुभम्। पष्ठवाहमिति पष्ठ
वा[illegible]॥२९॥ प्रचेतसेतिप्रचेतसा। देवानाम्। उत्तमम्। मिस्य[illegible]
स्म। यशः। होतारा। दैव्या। कवी इति कवी। सयुजेति सयुजा। इन्द्रम्।
गतीम्। अनड्वाहम्॥३०॥ पेशस्वतीः। तिस्रः। देवीः। हिरण्ययीः

भारतीः । बृहतीः । महीः । पतिम् । अति राजमिति वि । राजम् । धेनुम् । आन ॥

तुरेतसमिति तु । रेतसम् । त्वष्टारम् । पुष्टिवर्द्धनमिति पुष्टि । वर्द्धनम् ।

गाम् । विभ्रतम् । इत्थ कृ । पुष्टिम् । द्विपदमिति द्वि । पदम् । ड

तम् ॥ ३२ ॥ हिरंण्यपर्णमिति हिरंण्य । पर्णम् । उष्णिहम् ।

नाम् । बिभ्रतम् । वशाम् । भगम् । ककुभम् । वरुणम् । वेहतम् ॥

स्वाहा कृतीरिति स्वाहा । कृतीः । अग्निम् । गृहपतिमिति गृह । पतिम् ।

इत्थ कृ । वरुणम् । प्रजाम् । कविम् । क्षत्रम् । अतिछन्दसमिति

छन्दसम् । बृहन्तम् । ऋषभम् ॥ ३४ ॥ देवम् । बर्हिः । वयोधसमिति वयः

[OrderDescription]
,CREATED=28.08.19 11:54
,TRANSFERRED=2019/08/28 at 12:11:07
,PAGES=53
,TYPE=STD
,NAME=S0001576
,Book Name=M-761-YAJUVED PADPATH
,ORDER_TEXT=
,[PAGELIST]
,FILE1=00000001.TIF
,FILE2=00000002.TIF
,FILE3=00000003.TIF
,FILE4=00000004.TIF
,FILE5=00000005.TIF
,FILE6=00000006.TIF
,FILE7=00000007.TIF
,FILE8=00000008.TIF
,FILE9=00000009.TIF
,FILE10=00000010.TIF
,FILE11=00000011.TIF
,FILE12=00000012.TIF
,FILE13=00000013.TIF
,FILE14=00000014.TIF
,FILE15=00000015.TIF
,FILE16=00000016.TIF
,FILE17=00000017.TIF
,FILE18=00000018.TIF
,FILE19=00000019.TIF
,FILE20=00000020.TIF
,FILE21=00000021.TIF
,FILE22=00000022.TIF
,FILE23=00000023.TIF
,FILE24=00000024.TIF
,FILE25=00000025.TIF
,FILE26=00000026.TIF
,FILE27=00000027.TIF
,FILE28=00000028.TIF
,FILE29=00000029.TIF
,FILE30=00000030.TIF

FILE31=00000031.TIF
,FILE32=00000032.TIF
,FILE33=00000033.TIF
,FILE34=00000034.TIF
,FILE35=00000035.TIF
,FILE36=00000036.TIF
,FILE37=00000037.TIF
,FILE38=00000038.TIF
,FILE39=00000039.TIF
,FILE40=00000040.TIF
,FILE41=00000041.TIF
,FILE42=00000042.TIF
,FILE43=00000043.TIF
,FILE44=00000044.TIF
,FILE45=00000045.TIF
,FILE46=00000046.TIF
,FILE47=00000047.TIF
,FILE48=00000048.TIF
,FILE49=00000049.TIF
,FILE50=00000050.TIF
,FILE51=00000051.TIF
,FILE52=00000052.TIF
,FILE53=00000053.TIF
,